RNI-UPHIN/2009/30721

मंगलवार 11 नवंबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :41 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 4- बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

स्वदेशी
पृष्ठ 4 स्वदेशी, आत्मनिर्भरता व आर्थिक सुधार

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष : 17 | अंक : 025 | गाजियाबाद, मंगलवार 11 नवंबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online
www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा
व अन्य रसोई मसाले

लाल किला के पास धमाका, 9 की मौत, 24 घायल

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

सोमवार की शाम देश की राजधानी दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के गेट नंबर 1 के पास हुए एक तेज धमाका हुआ। इस घटना में 9 लोगों की मौत की सूचना है जबकि 24 से अधिक लोगों के घायल होने के समाचार आ रहे है।

लाल किला के आसपास का इलाका हाई-सिक्योरिटी जोन में आता है। धमाके के बाद कार में आग लग गई और घना धुआं उठने लगा। दिल्ली पुलिस और अग्निशमन विभाग ने घटना का समय शाम करीब 6.52 बजे बताया जा रहा है। उस गाड़ी में विस्फोट हुआ और विस्फोट के कारण आस-पास के वाहन भी क्षतिग्रश्त हो गए।

सभी घायलों को पास के एलएनजेपी व अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया हैं। घायलों में शमिल तीन लोगों की हालत नाजूक बताई जा रही है जबकि अन्य घायल खतरे से बाहर है।

शुरूआती जांच में पता चला है कि धमाका एक इको वैन में हुआ, जिसके कारण आसपास खड़ी तीन गाड़ियों में आग लग गई। घटना के बाद पुरे इलाके में भगदड़ मच गई।

घटना के बाद दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल, एनआईए और बम निरोधक दश्ते की टीमें मौके पर पहुंची। घटना स्थल की जांच में लगी टीमें में फोरेंसिक विशेषज्ञ भी शामिल बताए गए है, जो मौके से साक्ष्य जुटाने में लगे हैं। विस्फोट के बाद सुरक्षा बलों ने लाल किला व आसपास के सभी इ ला कों को सील कर दिया है। धमाके की प्रकृति और इसके पीछे किसी आतंकी साजिश की आशंका को ध्यान में रखते हुए जांच एजेंसियां हर एंगल से सुराग तलाश रही हैं। दिल्ली में इस वक्त हाई-अलर्ट घोषित कर दिया गया है।

आज सुबह ही फरीदाबाद में बड़ी माता में आरडीएक्स सहित अन्य विस्फोटक बरामद होने की बात सामने आई थी, गुजरात से यूपी तक पुलिस ने बड़ी संख्या में संदिग्धों को अरेस्ट कर चुकी है। गौरतलब है कि दो दिन पूर्ण ही दिल्ली सीमा से सटे फरीदाबाद से पुलिस ने 300 किलो आरडीएक्स बरामद करने की बात की थी।

पीएम मोदी ने गृह मंत्री से धमाके की जानकारी ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले के पास धमाके को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जानकारी ली। इससे पहले गृह मंत्री ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर और IB चीफ से जानकारी ली थी।

स्पाइसजेट ने विमान की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद कहा- सभी यात्री सुरक्षित

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। कोलकाता एयरपोर्ट के अधिकारियों के अनुसार, मुंबई से कोलकाता जा रहे स्पाइसजेट के एक विमान को इंजन में खराबी के कारण इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। एयरलाइन ने सोमवार को एक बयान में कहा कि सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। स्पाइसजेट के प्रवक्ता के अनुसार रात 11:38 बजे पूरी तरह से आपात स्थिति हटा ली गई। प्रवक्ता ने बताया, "9 नवंबर को, मुंबई से कोलकाता जा रहे स्पाइसजेट के विमान एसजी 670 को कोलकाता एयरपोर्ट पर उतरते समय तकनीकी समस्या का सामना करना पड़ा। विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री और चालक दल सामान्य रूप से विमान से उतर गए।" 12 सितंबर को, गुजरात के कांडला एयरपोर्ट से मुंबई जा रहे स्पाइसजेट के क्यू400 विमान ने छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) पर इसी तरह की इमरजेंसी लैंडिंग की। विमान सुरक्षित रूप से उतर गया और सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित रहे।

त्रिशूल अभ्यास में 30 हजार सैनिकों ने दिखाए जौहर, तीनों सेनाओं के बीच जबरदस्त तालमेल

✷ **एनसीआर टुडे. नई दिल्ली** ✷। भारत में तीनों सेनाओं के अब तक के सबसे बड़े सैन्य अभ्यास 'त्रिशूल' में सेनाओं के बीच बेजोड़ तालमेल, अंतरसंचालन और साझा शक्ति की क्षमता का नमूना देखने को मिला। नौसेना ने सोमवार को बताया कि राजस्थान, गुजरात और उत्तरी अरब सागर में हुए इस संयुक्त अभ्यास में या कि यह संयुक्त अभ्यास में सेना, नौसेना और वायु सेना के 30 हजार से ज़्यादा अधिकारियों तथा सैनिकों ने अपने जौहर दिखाए। अभ्यास में वायु सेना के 40 से ज़्यादा विमानों और सहायक ग्राउंड सिस्टम, और तीनों सेवाओं के स्वदेशी हथियारों तथा प्लेटफॉर्म ने हिस्सा लिया। इसके अलावा तटरक्षक बल, सीमा सुरक्षा बल और अन्य केंद्रीय एजेंसियों की भागीदारी ने अंतर-एजेंसी समन्वय को और मज़बूत किया जो एकजुटता, 'आत्मनिर्भरता' और नवाचार का उदाहरण है।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़, 2 डॉक्टर समेत 7 गिरफ्तार

✷ वेबवार्ता. श्रीनगर ✷

जम्मू-कश्मीर पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) और अंसार गजवत-उल-हिंद (एजीयूएच) से जुड़े एक बड़े अंतरराज्यीय एवं अंतरराष्ट्रीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है और दो डॉक्टरों समेत सात लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को कहा कि जम्मू-कश्मीर और अन्य राज्यों में साझा तलाशी अभियान के दौरान भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए हैं।

बरामदगी में 2,900 किलोग्राम आईईडी बनाने की सामग्री भी शामिल है, जिसमें विस्फोटक, रसायन, ज्वलनशील पदार्थ, इलेक्ट्रॉनिक सर्किट, बैटरी, तार, रिमोट कंट्रोल, टाइमर और धातु की चादरें आदि शामिल हैं।

पुलिस ने कहा कि 19 अक्टूबर को श्रीनगर के बनपोरा नौगाम में विभिन्न स्थानों पर जैश-ए-मोहम्मद के कई पोस्टर चिपकाए गए थे, जिनमें पुलिस और सुरक्षा बलों को धमकी और डर दिखाया गया था। जिसके बाद, यूएपीए अधिनियम की संबंधित धाराओं, 351 (2) बीएनएस, धारा 4/5 विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और 7/25/27 शस्त्र अधिनियम के अंतर्गत श्रीनगर के नौगाम थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई।

एक पुलिस प्रवक्ता ने कहा, 'जांच से पता चला है कि यह एक सफेदपोश आतंकवादी तंत्र है जिसमें कट्टरपंथी पेशेवर एवं छात्र शामिल हैं, जो पाकिश्तान और अन्य देशों के विदेशी संचालकों के संपर्क में हैं।'

पुलिस ने कहा, 'यह समूह अपनी विचारधारा को आगे बढ़ाने, समन्वय करने, धन की आवाजाही एवं रसद के लिए एनक्रिप्टेड चैनलों का उपयोग करता था। सामाजिक एवं धर्मार्थ कार्यों की आड़ में पेशेवर एवं शैक्षणिक नेटवर्क के माध्यम से धन जुटाया गया। आरोपी दूसरे लोगों की पहचान कर उन्हें कट्टरपंथी बनाने, आतंकवादी समूहों में भर्ती करने, धन जुटाने, रसद की व्यवस्था करने, हथियार,गोला-बारूद और आईईडी तैयार करने वाली सामग्री जुटाने में मदद करता था।'

बिहार चुनाव : अंतिम चरण में 122 विधानसभा के लिए मतदान आज, 1302 प्रत्याशियों का भविष्य होगा तय

✷ वेबवार्ता. पटना ✷

बिहार में दूसरे और अंतिम चरण के 122 विधानसभा क्षेत्रों में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच होने वाले मतदान में 1302 प्रत्याशियों के राजनीतिक भविष्य का फैसला लगभग तीन करोड़ 70 लाख मतदाता करेंगे।

दूसरे और अंतिम चरण में 11 नवंबर को मतदान का सामान्य समय सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक रहेगा। सुरक्षा कारणों से कटोरिया (सुरक्षित) के 121 मतदान केंद्रों, बेलहर के 140, चैनपुर, चेनारी (सुरक्षित) के 62, गोह के 25, नवीनगर के 26, कुटुंबा (सुरक्षित) के169 ,औरंगाबाद के 57, रफीगंज के 125, गुरूआ के 12, शेरघाटी के 48 , इमामगंज (सुरक्षित) के 361, बाराचट्टी (सुरक्षित) के 36 और बोधगया (सुरक्षित) के 20 मतदान केंद्रों, रजौली (सुरक्षित), गोविंदपुर और जमुई जिले की सभी चार सीटें सिकंदरा (सुरक्षित),जमुई, झाझा और चकाई में मतदान सुबह सात बजे से शाम पांच बजे तक ही चलेगा।

बिहार के पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने बताया कि विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान 122 निर्वाचन क्षेत्रों में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। उन्होंने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा बलों की कुल 1650 कंपनियाँ तैनात की गई हैं, जबकि पर्याप्त संख्या में बिहार सैन्य पुलिस (बीएमपी) के जवान भी बिना किसी बाधा के मतदान सुनिश्चित करने के लिए तैनात रहेंगे। उन्होंने बताया कि मतदान में व्यवधान उत्पन्न करने वाले असामाजिक तत्वों को नदी मार्ग से आवाजाही रोकने के उद्देश्य से नाव से गश्ती के लिये बलो की तैनाती भी की गयी है।

डीजीपी ने बताया कि मतदान में गड़बड़ी उत्पन्न करने वाले अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। किसी भी घुसपैठ को रोकने के लिए भारत-नेपाल सीमा से लगे सात जिलों में विशेष सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि झारखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल की सीमा से लगे बिहार के जिलों में अतिरिक्त सर्तकता बरती जा रही है। नेपाल के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा को रविवार से 72 घंटे के लिए सील कर दिया गया है।

इस बीच, चुनाव कार्यालय के सूत्रों ने बताया कि पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी मतदान प्रक्रिया की लाइव स्ट्रीमिंग की जाएगी। आयोग ने कानून-व्यवस्था की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए 122 सामान्य पर्यवेक्षक, 20 पुलिस पर्यवेक्षक और 34 व्यय पर्यवेक्षक को तैनात किया है।

दूसरे चरण में 122 विधानसभा क्षेत्रों के मतदान में 45399 मतदान केंद्र पर तीन करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर 136 महिला और 1165 पुरुष प्रत्याशी और एक अन्य समेत कुल 1302 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में बंद कर देंगे। मतदाताओं में एक करोड़ 95 लाख 44 हजार 41 पुरुष, एक करोड़ 74 लाख 68 हजार 572 महिला और 943 थर्ड जेंडर शामिल हैं।

सबसे ज़्यादा 3,67,667 मतदाता हिसुआ विधानसभा सीट पर हैं, जबकि सबसे कम 2,47,574 मतदाता मखदुमपुर सीट पर हैं। पूरी तरह महिलाओं द्वारा प्रबंधित मतदान केंद्रों की संख्या 595 है, जबकि आदर्श मतदान केंद्रों की संख्या 316 है।अस्सी वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 487219 और शतायु मतदाताओं की संख्या 6255 है। दूसरे चरण के चुनाव में सबसे अधिक 22 उम्मीदवार चैनपुर, सासाराम और गया टाउन में, वहीं लौरिया, चनपटिया, रक्सौल, सुगौली, त्रिवेणीगंज और बनमंखी में सबसे कम पांच प्रत्याशी चुनाव मैदान में उतरे हैं।

अपने पुराने बैंक खाते में पैसे जमा करके भूल गए?

जो आपका है उसे वापस दिलाने में आरबीआई आपकी मदद करेगा।

आपके बैंक के निष्क्रिय खाते (2 वर्ष से ज़्यादा और 10 वर्ष तक असक्रिय) में जमा पैसे / दावा न की गई जमा राशि (10 वर्ष से अधिक) को आरबीआई के डीईए फंड में ट्रांसफर कर दिया जाता है। आप या आपके क़ानूनी वारिस उसे कभी भी वापस ले सकते हैं।

दीया फंड

आपके पैसे वापस पाने के 3 आसान चरण

1. आपके बैंक की किसी भी शाखा में जाएं, भले ही वो आपकी नियमित शाखा न हो।
2. केवाईसी दस्तावेजों (आधार, पासपोर्ट, मतदाता पहचान पत्र या ड्राइविंग लाइसेंस) के साथ फॉर्म जमा करें।
3. सत्यापन के बाद ब्याज समेत, यदि है तो, अपने पैसे वापस पाएं।

दावा न की गई संपत्ति के संबंध में आयोजित विशेष शिविरों में जाएं, जिसे देशभर के सभी ज़िलों में अक्तूबर से दिसंबर 2025 के बीच लगाए जाएँगे।

आपके दावा न किए गए पैसे के बारे में जानने के लिए

आपके बैंक की वेबसाइट पर खोजें या आरबीआई के UDGAM पोर्टल (https://udgam.rbi.org.in) पर देखें, जिसमें फ़िलहाल 30 बैंक शामिल हैं।

क्यूआर कोड स्कैन कीजिए
अधिक जानकारी के लिए https://rbikehtahai.rbi.org.in देखिए
प्रतिक्रिया के लिए rbikehtahai@rbi.org.in पर लिखिए
आधिकारिक व्हॉट्सऐप नंबर 99990 41935

जनहित में जारी
भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

संक्षिप्त समाचार

वंदेभारत लॉन्च पर आरएसएस गीत गाने पर बच्चों के समर्थन में उतरा स्कूल

बेंगलुरु , एजेंसी। एर्नाकुलम–बेंगलुरु वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के मौके पर स्कूल के छात्रों द्वारा आरएसएस गीत गाने को लेकर विवाद बढ़ता ही जा रहा है। केरल की पिनारायी विजयन की सरकार इस मामले को लेकर सख्त है आर जांच के आदेश जारी कर दिए हैं। इसी बीच स्कूल के प्रिंसिपल बच्चों के समर्थन में आ गए हैं। उन्होंने कहा कि दक्षिण रेलवे या फिर किसी केंद्रीय मंत्री के इशारे पर यह देशभक्ति गीत नहीं गाया गया था। सरस्वती विद्यानिकेतन पब्लिक स्कूल एलामक्कारा के प्रधानाचार्य डिंटो केपी ने कहा कि यह एक देशभक्ति गीत था। उन्होंने कहा कि स्कूल के छात्रों ने खुद इस गीत का चयन किया था। उन्होंने यह बात भी मानी है कि दक्षिण रेलवे के एक्स हैंडल से गीत का वीडियो हटाए जाने के बाद स्कूल प्रशासन ने प्रधानमंत्री कार्यालय और रेल मंत्री को पत्र लिखा था। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि आखिर राज्य सरकार ने इस मामले में जांच के आदेश क्यों दिए हैं। हम इसका कानूनी उपचार सोचेंगे। प्रिंसिपल ने कहा कि जिन बच्चों ने गीत गाया उनपर साइबर अटैक हो रहे हैं और उन्हें संघी किड्स कहकर परेशान किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी उन्हें परेशान किया जा रहा है। बता दें कि एर्नाकुलम से बेंगलुरु जाने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन के बाद ट्रेन में स्कूली छात्रों से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के गीत गाया था। केंद्रीय मंत्रियों ने इस घटना को उचित ठहराते हुए कहा कि यह एक देशभक्ति गीत है। वहीं केरल सरकार ने जांच के आदेश दे दिए।

अरे! कहां जा रहे हो... अपने भाषण के दौरान लोगों के जाने से झल्लाए कर्नाटक मुख्यमंत्री

विजयनगर, एजेंसी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया के साथ रविवार को एक अजीब घटना हो गई। विजयनगर के कुडलिगी में एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे मुख्यमंत्री के सामने ही कुछ लोग उनका भाषण छोड़कर जाने लगे। मुख्यमंत्री ने झल्लाते हुए उन लोगों को टोका और बैठने के लिए कहा, जिसके बाद वह लोग वहीं बैठ गए और फिर उनका पूरा भाषण सुना। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने जैसे ही अपना भाषण शुरू किया कई लोग जाने के लिए उठ खड़े हुए। मुख्यमंत्री यह देखकर बोल पड़े, अरे, कहाँ जा रहे हो? बैठ जाओ! लोग फिर अपने सीटों पर बैठ गए। दरअसल सिद्दारमैया ने कई नेताओं के बोलने के बाद बोलना शुरू किया था, तब तक कई लोगों को शायद देर होने लगी और वह उठकर जाने लगे थे। इस कार्यक्रम में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों से कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक आए थे। इस अवरोध के बाद सिद्दारमैया ने अपना भाषण जारी रखा। हालांकि, भाषण के दौरान जनता के साथ बात थोड़ी ऊपर नीचे होती रही। उन्होंने कहा, हम हर घर को 200 यूनिट मुफ़्त बिजली दे रहे हैं। सच है या झूठ? लोग हालांकि चुप रहे। मुख्यमंत्री ने पूछा, आप हाथ क्यों नहीं उठा रहे हैं? फिर भी कोई जवाब नहीं आया। पास बैठे पार्टी नेताओं की ओर मुड़कर उन्होंने कहा, देखिए, आप नेता भी हाथ नहीं उठा रहे हैं! उनकी टिप्पणी के बाद, नेताओं ने तुरंत हाथ उठाकर समर्थन जताया। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री का भरपूर साथ दिया। मुख्यमंत्री ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा, विपक्ष कहता है कि हमारे पास अपनी गारंटी के लिए पैसे नहीं हैं। फिर हजारों करोड़ रुपये कहाँ से आए? भाजपा झूठ बोलने में माहिर है। वे मतदाताओं के साथ धोखाधड़ी करके सत्ता में आए हैं। अगर उनमें जरा भी आत्मसम्मान है, तो उन्हें इस्तीफा देकर घर चले जाना चाहिए। सिद्दारमैया ने भाजपा पर बड़े पैमाने पर चुनावी हेराफेरी का आरोप लगाते हुए कहा, महादेवपुरा में, एक घर से 80 वोट कैसे हो सकते हैं? भाजपा सत्ता के बिना नहीं रह सकती। यह पानी से बाहर निकाली गई मछली के मरने जैसा है।

आरसीएम की रूपांतरण यात्रा में 20,000 से अधिक नवोद्यमियों की सहभागिता, जनसमर्थन मिला

भोपाल, एजेंसी। आरसीएम की राष्ट्व्यापी रूपांतरण यात्रा के शुभारंभ के बाद से अब तक लाखों नवोद्यमी इससे जुड़ चुके हैं, जो कंपनी की जन-आधारित विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। यात्रा का नवीनतम पड़ाव भोपाल रहा, जहां हजारों नागरिकों ने स्वास्थ्य, सेवा और संस्कार को बढ़ावा देने वाली विभिन्न सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की। भोपाल और इससे पहले आयोजित 20 शहरों में लाखों लोगों की भागीदारी को देखते हुए यह अनुमान लगाया जा रहा है कि 75 शहरों की इस यात्रा के 23 दिसंबर 2025 को समापन तक इसकी पहुँच लगभग एक मिलियन लोगों तक हो सकती है। भोपाल कार्यक्रम में युवाओं, महिलाओं और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने रक्तदान किया और स्वस्थ जीवनशैली व आत्मनिर्भरता के बारे में जानकारी प्राप्त की। लोगों का सामूहिक उत्साह इस बात का प्रमाण था कि वे केवल उपस्थित होने के लिए नहीं, बल्कि निःस्वार्थ योगदान देने के लिए आगे आए-यह दर्शाता है कि यात्रा किस प्रकार लोगों को स्वास्थ्य , सेवा और संस्कार के तीन मूल स्तंभों पर कार्य करने के लिए प्रेरित कर रही है। मध्य प्रदेश आरसीएम की विकास यात्रा में एक विशेष स्थान रखता है। राज्य ने हमेशा आरसीएम की पहलों के प्रति मजबूत जुड़ाव दिखाया है, जो यहां के लोगों के विश्वास और सामाजिक प्रतिबद्धता को दर्शाता है। 16

सितंबर 2025 को रूपांतरण यात्रा की शुरुआत के बाद से अब तक 20,000 से अधिक लोग आरसीएम परिवार से जुड़ चुके हैं, जिससे कंपनी के दो मिलियन से अधिक सक्रिय एसोसिएट बायर्स के नेटवर्क को और मजबूती मिली है। जैसे-जैसे यात्रा अन्य शहरों की ओर अग्रसर है, यह संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। कंपनी के नेटवर्क का यह विस्तार न केवल सस्ते और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों पर लोगों के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है, बल्कि महिलाओं, युवाओं और नवोद्यमियों को स्थायी स्वरोजगार के अवसर प्रदान करने की दिशा में आरसीएम के प्रयासों को भी प्रतिबिंबित करता है। विशेष रक्तदान शिविर में लोगों की भारी भागीदारी रही, जिससे अब तक यात्रा के दौरान 2,000 से अधिक दाताओं का आंकड़ा पार हो चुका है। कार्यक्रम में नागरिकों को स्वस्थ और जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करने वाली जन-जागरूकता गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। भोपाल के लोगों ने इस यात्रा का भव्य स्वागत किया। हजारों लोग अवधपुरी हेलिपैड ग्राउंड, भोपाल में आयोजित इस आयोजन में शामिल हुए। इस यात्रा का प्रभाव प्रतिभागियों की साझा कहानियों में झलकता है। एक प्रतिभागी ने, जिन्होंने दो दशकों के बाद रक्तदान किया, इसे अत्यंत संतोषजनक अनुभव बताया। एक अन्य प्रतिभागी ने बताया कि चावल की भूसी के तेल के स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानकारी उनके लिए एक नई सीख थी। कार्यक्रम दो भागों में संपन्न हुआ-सुबह स्वास्थ्य और सेवा से जुड़ी गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जबकि शाम को उत्सव और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया। लोगों को आरसीएम के विविध अनुभव से परिचित कराने के लिए रूपांतरण मेला भी आयोजित किया गया। आगंतुकों ने इंटरएक्टिव बूथ्स के माध्यम से आरसीएम के व्यापक उत्पाद पोर्टफोलियो का अनुभव किया, जिसमें न्यूट्रीचार्ज और गामा उत्पादों के साथ एक हेल्थ ज़ोन और महिलाओं के परिधान व फुटवियर के लिए कीसोल पवेलियन शामिल थे। वहीं फूड कोर्ट में स्वीच्छा और गुड डॉट जैसे आरसीएम ब्रांड्स के पौष्टिक व स्वादिष्ट व्यंजन परोसे गए। हाल ही में लॉन्च हुई पुस्तक मनसा वाचा कर्मणा - एक कर्मयोगी की जीवनी, जो आरसीएम के संस्थापक तिलोकचंद छाबड़ा के जीवन पर आधारित है, कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण रही। यह पुस्तक उनके कर्मयोगी जीवन, मूल्यों और उनके विचारों एवं कार्यों से लाखों लोगों के जीवन में आए परिवर्तन को उजागर करती है। सौरभ छाबड़ा ने कहा, भोपाल से मिला जबरदस्त प्रतिसाद हमारे जन-आधारित आंदोलन की शक्ति और भावना को दर्शाता है। हम हर घर को बेहतर स्वास्थ्य, मजबूत मूल्यों और नए आर्थिक अवसरों से सशक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि हम एक स्वस्थ और विकसित भारत की दिशा में आगे बढ़ सकें। मैनेजिंग डायरेक्टर प्रियंका अग्रवाल ने कहा, भोपाल में रूपांतरण यात्रा का आयोजन हमारी 17,000 किलोमीटर लंबी परिवर्तन यात्रा का एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम हर महिला को गरिमा, शक्ति और आत्मविश्वास के साथ जीवन जीने का अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि वे पुरुषों के साथ मिलकर नए भारत के निर्माण में समान रूप से योगदान दे सकें। सीईओ मनोज कुमार ने कहा, मुझे गर्व है कि रूपांतरण यात्रा ने भोपाल में जो उत्साह और प्रेरणा जगाई है, वह पूरे भारत में लाखों लोगों को सशक्त बनाती रहेगी और आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्थायी और समृद्ध भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेगी।

मेट्रो में लग्जरी सीटों का प्लान; मेट्रो-बस के लिए बनेगा एक ही नेशनल मोबिलिटी कार्ड

चंडीगढ़, एजेंसी।
केंद्रीय आवासन, शहरी एवं ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल ने शहरों में मेट्रो नेटवर्क को बड़ा बयान दिया है। रविवार को गुरुग्राम में आयोजित 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया सम्मेलन एवं प्रदर्शनी के समापन समारोह में मनोहर लाल ने कहा कि मेट्रो में लग्जरी सीटों को लेकर प्लान बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेट्रो, बस के लिए एक ही नेशनल मोबिलिटी कार्ड बनेगा। उन्होंने सम्मेलन में देश भर से पहुंचे प्रतिनिधिगण को विश्वास दिलाया कि 18वें अर्बन मोबिलिटी इंडिया कांफ्रेंस में रखे गए विचारों व सुझावों को वे अपनी मंत्रालय स्तर पर लागू करने की जिम्मेदारी लेते हैं ताकि इस कांफ्रेंस का उद्देश्य सार्थक हो सके। मनोहर लाल ने आगे कहा कि भीड़भाड़ वाले शहरों में जाम की समस्या से निजात दिलाने के लिए मेट्रो सेवा का विस्तार किया जा रहा है। अब मेट्रो के लाइसेंस के साथ लास्ट लाइन कनेक्टिविटी का लाइसेंस अलग से लेने की जरूरत नहीं रहेगी, मेट्रो सेवा के लाइसेंस में ही उक्त लाइसेंस प्रक्रिया को शामिल किया जाएगा। उन्होंने लास्ट माइल कनेक्टिविटी के महत्व पर जोर दिया, खासकर व्यस्त शहरों में ताकि लोग आसानी से अपने गंतव्य तक पहुंच सकें। इससे जुड़ी चुनौतियों जैसे चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि भारत में बिजली की कमी नहीं है, बल्कि सरप्लस है, इसलिए चार्जिंग स्टेशन के लिए पर्याप्त बिजली उपलब्ध होगी। उन्होंने सुपरचार्जर जैसी नई तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया, जो कम समय में वाहनों को चार्ज कर सकें। उन्होंने कहा कि मेट्रो, बस के लिए एक ही नेशनल मोबिलिटी कार्ड बनेगा। साल 2047 तक भारत की शहरी आबादी में बढ़ोत्तरी होगी तो उसके लिए अभी से योजनाबद्ध तरीके से इनोवेशन पद्धति के साथ काम करना है।

हापुड़ पुलिस को बड़ी सफलता, एनकाउंटर में 50,000 रुपए का इनामी अपराधी ढेर

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले के कपूरपुर इलाके में पुलिस मुठभेड़ में 50,000 रुपए का इनामी कुख्यात हिस्ट्रीशीटर हसीन मारा गया। यह मुठभेड़ उस समय हुई जब पुलिस ने इलाके में आपराधिक गतिविधियों की खुफिया जानकारी मिलने के बाद रविवार देर रात चेकिंग अभियान के दौरान उसे रोका। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी कथित तौर पर गोकशी की योजना बना रहा था, तभी पुलिस टीम ने उसकी गाड़ी रोकने की कोशिश की। आत्मसमर्पण करने के बजाय, हसीन ने पुलिस टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी गोलीबारी में आरोपी को गोली लग गई और बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने मुठभेड़ स्थल से एक पिस्तौल और एक कार बरामद की है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

हापुड़ के पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ने जानकारी देते हुए बताया, रविवार रात लगभग 12.30 बजे, हमें थाना कपूरपुर क्षेत्र में संदिग्धों के एक समूह की गतिविधि के बारे में सूचना मिली। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए, कपूरपुर थाने के प्रभारी अपनी टीम के साथ बताए गए स्थान की ओर बढ़े। जांच के दौरान, उन्हें एक संदिग्ध स्विफ्ट डिजायर कार दिखाई दी और उन्होंने उसे रोकने की कोशिश की। कार सवारों ने पुलिस टीम पर गोलीबारी की, और पुलिस ने आत्मरक्षा में जवाबी कार्रवाई की।

वोट चोरी नहीं, लेकिन कुछ जगहों पर होती है बोगस वोटिंग: केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले

मुंबई, एजेंसी। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा लगाए जा रहे वोट चोरी के आरोप भारतीय राजनीति में चर्चा का विषय बने हुए हैं। एक तरह विपक्ष इस मुद्दे को और बड़ा करने की जुगत में है, तो वहीं सत्ता पक्ष इसे एक खोखला दावा बता रहा है। इसी बीच केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने राहुल गांधी के आरोपों को गलत बताया। उन्होंने कहा कई जगह पर बोगस वोटिंग होती है, लेकिन वोट चोरी नहीं कह सकते।

एएनआई से बात करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी द्वारा कई राज्यों में वोट चोरी के आरोपों को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, वोट चोरी के आरोपों में कोई तथ्य नहीं है। हालांकि, कुछ जगहों पर बोगस वोटिंग होती है, मतदाता सूची में भी कुछ कमियां रह जाती है। इसे लेकर चुनाव आयोग ने अभी सुधार करना शुरू किया है। वैसे भी जिस आदमी को वोटिंग करने का अधिकार है, उसको वोट करने को मिलना ही चाहिए। और जो यह कुछ गलती होने की घटनाएं सामने आई है, इसको सही करने की जरूरत है... लेकिन इसमें वोट चोरी का कोई विषय नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस के लोकसभा और कई विधानसभा चुनावों में किए गए प्रदर्शन का हवाला देते हुए कि जब वह जीतते हैं, तो वोट चोरी का आरोप नहीं लगाते। केंद्रीय मंत्री ने कहा, लोकसभा में उनकी इतनी सीटें आईं, हमने तो नहीं कहा कि वोट चोरी हुई है। जहां हमारी सरकार आती है, वहां वह वोट चोरी का आरोप लगाना शुरू कर देते हैं। कर्नाटक में उनकी सरकार आई, हिमाचल में उनकी सरकार आई... हमने तो नहीं कहा कि वोट चोरी हुई है। अठावले ने राहुल गांधी के ऊपर लोकतंत्र को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, राहुल गांधी लोकतंत्र को धोखा देने का काम कर रहे हैं। वह लोकतंत्र को बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं। कभी वह संविधान बदलने का झूठा आरोप लगाते हैं... और अभी वोट चोरी लेकर आए हैं। ऐसा कुछ नहीं है। गौरतलब है कि राहुल गांधी ने वोट चोरी के आरोपों की शुरुआत सबसे पहले कर्नाटक से ही की थी। यहां की विधानसभा से ही उन्होंने आरोप लगाया था कि वोट चोरी हो रही है। इसके बाद वह हरियाणा पहुंचे थे। आपको बता दें, कांग्रेस की तरफ से राहुल गांधी लगातार वोट चोरी का आरोप लगा रहे हैं, हालांकि चुनाव आयोग ने राहुल गांधी से शपथ पत्र देने या फिर कोर्ट जाने के लिए कहा है।

मतदान अधिकारी भी समझ नहीं पाए, एसआईआर पर क्या बोले स्टालिन; पार्टी कार्यकर्ताओं को क्या निर्देश

चेन्नई, एजेंसी।
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एसआईआर को लेकर बयान जारी किया है। उन्होंने कहा कि एसआईआर को तो यहां के बूथ स्तर के अधिकारी भी समझ नहीं पाए। उन्होंने अपनी पार्टी कार्यकर्ताओं को भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि राज्य में एसआईआर के दौरान कोई भी पात्र मतदाता छूट न जाए। स्टालिन ने कहा कि जनता के साथ उनकी बातचीत से पता चला कि एसआईआर के बारे में लोगों में जागरूकता अपर्याप्त है। द्रमुक अध्यक्ष के तौर पर स्टालिन ने कहा कि कई जगहों पर लोगों ने कहा कि बूथ स्तर अधिकारी (बीएलओ) जैसे मतदान अधिकारी भी इसे नहीं समझ पाए। उन्होंने द्रमुक मुख्यालय से सत्तारूढ़ पार्टी के जिला सचिवों के साथ एक

ऑनलाइन बातचीत के दौरान, स्टालिन ने पार्टी पदाधिकारियों और निर्वाचन क्षेत्रों के प्रभारियों को एसआईआर से संबंधित कार्यों में सतर्क रहने का निर्देश दिया। स्टालिन ने संदेश में कहा कि हमारे लगातार विरोध के बावजूद, एसआईआर का काम शुरू हो गया है। बहुत से लोग अब भी इस प्रक्रिया से पूरी तरह वाकिफ नहीं हैं। इसलिए, यह वीडियो यह समझाने के लिए है कि द्रमुक एसआईआर का विरोध क्यों कर रही है और लोगों को उनके मताधिकार की रक्षा के लिए मार्गदर्शन प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि लोग हेल्पलाइन नंबर 08065420020 पर संपर्क कर अपनी शंकाएं दूर कर सकते हैं। वर्तमान उत्तर-पूर्वी मानसून के दौरान, इसके क्रियान्वयन पर सवाल उठाया है। पार्टी इसका विरोध करते हुए दावा कर रही है कि इस व्यापक प्रक्रिया के परिणामस्वरूप अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य मतदाता सूची से बाहर हो सकते हैं। महीने भर चलने वाले पुनरीक्षण अभियान पर चर्चा के लिए आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंस बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने कहा कि एसआईआर अभियान में एक भी पात्र मतदाता का नाम नहीं छूटना चाहिए।

तेजस्वी यादव का जनता को संदेश, प्राण झोंककर अपना हर वचन, हर प्रण पूरा करूंगा

पटना , एजेंसी। बिहार में 122 सीटों पर दूसरे चरण के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होनी है। इसी बीच महागठबंधन की ओर से सीएम पद के उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने बिहार के लोगों के लिए एक संदेश शेयर किया। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को बिहार की जनता मुझे जो जिम्मेदारी देने जा रही है। मैं वादा करता हूं कि प्राण झोंककर अपना हर वचन, हर प्रण पूरा करूंगा। 9 नवंबर को तेजस्वी यादव का जन्मदिन था। राजद कार्यकर्ताओं ने उनका जन्मदिन गर्मजोशी के साथ मनाया। देशभर से मिली जन्मदिन की शुभकामनाओं को लेकर तेजस्वी यादव ने सोमवार को एक संदेश में कहा कि जन्मदिन के अवसर पर मिले आपके स्नेह, शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए कोटि–कोटि आभार। जनता ने इतनी कम आयु में मुझे जिस तरह से प्रेम और समर्थन दिया, उसका कर्जदार हूं और वादा है कि 14 नवंबर को आपसे मिले जनादेश को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाऊंगा और प्राण झोंककर अपना हर वचन, हर प्रण पूरा करूंगा। तेजस्वी ने कहा, चुनाव के दौरान जिस भी जनसभा में गया, वहां माताओं, बहनों, बुजुर्गों, मेरे युवा साथियों और बच्चों में दिखा उत्साह मुझे अपना प्रण पूरा करने के लिए और भी प्रेरित कर रहा है।

जांच जारी है, जल्दी ही सच्चाई सामने आएगी; बेटे से जुड़े भूमि विवाद पर डिप्टी सीएम अजित पवार

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे से जुड़े भूमि सौदा विवाद ने महाराष्ट्र की राजनीति में उठा पटक मचाई हुई है। रविवार को डिप्टी सीएम ने इस मामले में अपने बेटे का बचाव करते हुए कहा कि उन्हें आश्चर्य होता है कि एक भी रुपए के लेन-देन के बिना दस्तावेज पंजीकृत कैसे हो गए। इसके साथ ही उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाते हुए आशंका जताई की आगामी निकाय चुनाव के चलते यह साजिश हो सकती है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस मामले में जांच के समिति गठित कर दी है, जांच जारी है, जल्दी ही सच्चाई सभी के सामने आ जाएगी।

इस पूरे विवाद को लेकर जांच की करवाने की बात करने वाले डिप्टी सीएम ने कहा कि इस मामले की जो भी सच्चाई होगी वह जल्दी ही सभी के सामने आ जाएगी। पुणे में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, जांच शुरू हो गई है और सच्चाई जल्द ही जनता के सामने आ जाएगी। मुझे अब भी समझ नहीं आ रहा है कि एक रुपये के लेन-देन के बिना कोई दस्तावेज़ कैसे पंजीकृत हो सकता है? हमें एक महीने के अंदर पता चल जाएगा कि जिस व्यक्ति ने यह पंजीकरण किया है, उसने वास्तव में ऐसा क्यों किया।'' उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र

फडणवीस ने जांच समिति गठित की है। एनसीपी प्रमुख ने अधिकारियों से भी अपील करते हुए कहा कि अगर उनका कोई निकट सहयोगी या रिश्तेदार उनका नाम लेकर नियमों का उल्लंघन करते हैं, तो उनके खिलाफ भी उचित कार्रवाई की जाए। उन्होंने कहा, यहां तक ??कि अगर मेरे करीबी कार्यकर्ता या रिश्तेदार मेरे नाम का इस्तेमाल करते हैं और कुछ कहते हैं, और यदि यह नियमों के अनुरूप नहीं है, तो संबंधित अधिकारियों को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। डिप्टी सीएम ने विपक्ष द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को निकाय चुनाव से जोड़ते हुए कहा कि जैसे ही कोई चुनाव नजदीक आता है, उनके खिलाफ आरोपों की संख्या बढ़ जाती है। उन्होंने कहा, इससे पहले भी मेरे खिलाफ 70,000 करोड़ रुपये की अनियमितताओं के आरोप लगे थे। तब से 15 से 16 साल हो गए हैं। जब भी चुनाव आते हैं, हमारे खिलाफ कई आरोप लगाए जाते हैं। हम पारदर्शी तरीके से काम करने की कोशिश करते हैं, लेकिन जैसे ही हम ऐसा करते हैं, लोग जमीन के सौदों को सामने लाकर आरोप लगाना शुरू कर देते हैं।'' गौरतलब है कि महाराष्ट्र में विभिन्न स्थानीय निकायों के चुनाव दो दिसंबर को प्रस्तावित हैं। यह पूरा मामला पुणे के पॉश मुंधवा इलाके में 40 एकड़ जमीन से जुड़ा हुआ है। यह जमीन 300 करोड़ रुपये में एक कंपनी को बेच दी गई थी, इस कंपनी में अजित पवार के बेटे पार्थ पवार के पास सबसे अधिक हिस्सेदारी है। इस सौदे को लेकर अनियमितताओं और जरूरी मंजूरी नहीं होने के आरोप लगे हैं। विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि जमीन का बाजार मूल्य 1,800 करोड़ रुपये था। अमाडिया एंटरप्राइजेज से जुड़े जमीन सौदे के संबंध में फिलहाल पुलिस ने हस्ताक्षरकर्ताओं और विक्रेताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। हालांकि, पुलिस ने पार्थ पवार को नामजद नहीं किया है, लेकिन फर्म में हिस्सेदार उनके एक रिश्तेदार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

घर के सामने खड़ी कार से बैटरी और उपकरण चुराए

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी के अंकुर विहार थाना क्षेत्र की चमन विहार कॉलोनी में चोरों ने घर के बाहर खड़ी कार की बैटरी और इंजन के उपकरण चोरी कर लिया। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। चमन विहार कॉलोनी निवासी सचिन तिवारी दो नवंबर को घर के बाहर गली में कार खड़ी करके घर में सोने चले गये थे। उन्होंने बताया कि देर रात चोरों ने कार से बैटरी, ईसीएम और वायरिंग चोरी कर ली। उन्हें सुबह होने पर चोरी का पता चला। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की। वहीं दूसरी ओर चोरों ने खजूरी पुश्ता रोड से बारात में आए लखन निवासी होली चौक मलियाना मेरठ की इको कार चोरी कर ली। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़तिों की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर 48 हजार रुपये ठगे, रिपोर्ट दर्ज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र की आशियाना सिटी कॉलोनी निवासी व्यक्ति से ठगों ने मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देकर 48 हजार रुपये ठग लिये। ठगों द्वारा दोबारा रुपये मांगे जाने पर व्यक्ति को अपने साथ हुई ठगी का पता चला। पीड़ति की शिकायत पर पुलिस अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच में जुटी है। आशियाना सिटी कॉलोनी निवासी मोहसिन के फोन पर 28 सितंबर को अज्ञात नंबर से कॉल आई। उन्होंने बताया कॉल करने वाले व्यक्ति ने स्वयं को लखनऊ के थाने में तैनात पुलिसकर्मी बताते हुए कहा कि उसके खिलाफ एक रिपोर्ट दर्ज हुई है। अचानक आई कॉल से वह भयभीत हो गये। जिस पर व्यक्ति ने मुकदमा खत्म कराने की बात करते हुए 48 हजार रुपये मांगे। उन्होंने व्यक्ति द्वारा भेजे गये बारकोड पर रुपये ट्रांसफर कर दिये। रुपये मिलने के बाद व्यक्ति ने दोबारा कॉल कर और धनराशि की मांग की। जिस पर उन्हें अपने साथ हुई ठगी का एहसास हुआ। उन्होंने व्यक्ति से कॉल कर मुकदमे की कॉपी देने की बात कहीं तो उसने कॉल काट दी।

लाइब्रेरी से पढ़ाई कर लौट रहे युवक के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी थाना क्षेत्र में बंथला चिरोडी रोड स्थित निजी लाइब्रेरी में पढ़ने वाले युवक से चार लोगों ने मारपीट की। पीड़ित के पिता की शिकायत पर पुलिस ने चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। लोनी थाना क्षेत्र के शकलपुरा गांव निवासी हरेंद्र का पुत्र मन्नू बंथला चिरोड़ी रोड स्थित लाइब्रेरी में पढ़ने के लिए जाता है। उन्होंने बताया कि पुत्र प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। आरोप है कि पांच नवंबर को जब वह लाइब्रेरी से घर आने के लिए निकाला तो वहां मौजूद शुभम निवासी मांडला अपने पिता और दो साथियों विनीत और नितिन निवासी राम विहार कॉलोनी ने गाली गलौज कर पुत्र के साथ मारपीट की। जिससे पुत्र के सिर में काफी चोट आई। लोगों के एकत्र होने पर आरोपी पुत्र को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गये। पुत्र ने मामले की सूचना परिजनों को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने पुत्र का उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया और मामले की सूचना पुलिस को दी। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित के पिता की शिकायत पर तीन नामजद समेत अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी है।

गली में बाइक खड़ी करने को लेकर पड़ोसी के साथ मारपीट

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना क्षेत्र की राहुल गार्डन कॉलोनी में शनिवार रात दो पड़ोसियों ने गली में बाइक खड़े करने को लेकर पड़ोसी युवक के साथ मारपीट की। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने दो नामजद समेत दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। राहुल गार्डन कॉलोनी निवासी अजय कुमार शनिवार रात करीब दस बजे बाइक गली में खड़ी करके घर में जा रहे थे। इस दौरान पड़ोस में रहने वाले नरेंद्र और सतेंद्र ने बाइक हटाने को लेकर गाली गलौज करनी शुरु कर दी। उनके द्वारा विरोध जताने पर पड़ोसियों के दो साथी मौके पर पहुंचे। चारों ने उनके साथ मिलकर मारपीट करनी शुरु कर दी। मारपीट में उनके सिर में चोट आई। गली में शोर मचने पर लोग एकत्र होने लगे। लोगों को एकत्र होता देख आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। वह गंभीर हालत में लोनी बार्डर थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनका उपचार कराया। सीओ अंकुर विहार ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि पीड़ति की शिकायत पर दो नामजद समेत दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जिला अभ्यास वर्ग के बारे में अखिल भारतीय विधार्थी परिषद ने दी जानकारी

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद मेरठ प्रान्त को बैठक में जिला अभ्यास वर्ग के बारे में जानकारी दी गई। पुरूषतम शरण भानु प्रकाश सरस्वती शिशु मंदिर नगीना मार्ग धामपुर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, मेरठ प्रांत धामपुर जिला का जिला अभ्यास वर्ग 9 नवम्बर सत्र का उदघाटन प्रश्ताविकी एवं इतिहास विकास सत्र के साथ प्रारंभ हुआ जिसमें तरुण चौहान प्रांत संगठन मंत्री मेरठ प्रांत डॉ० जूही अग्रवाल प्रांत उपाध्यक्ष, सतेंद्र सिंह विभाग संगठन मंत्री बिजनौर विभाग, सुधांशु चाहल प्रांत सह मंत्री, हनी अहलावत विभाग संयोजक, अनुज राजपूत जिला संयोजक धामपुर, सचिन चौहान जिला प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

ब्लू डॉट सर्च प्लेटफ़ॉर्म" का शुभारंभ

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। गाज़ियाबाद जनपद के मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) के कार्यालय द्वारा, एकस्टेप फाउंडेशन, ONEST एवं हेड हेल्ड हाई फाउंडेशन के सहयोग से "ब्लू डॉट सर्च प्लेटफ़ॉर्म" का शुभारंभ आज गाज़ियाबाद में किया गया। यह डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म स्थानीय युवाओं एवं नौकरी तलाशने वालों के लिए कौशल आधारित रोजगार अवसरों और नियोक्ताओं के लिए उपयुक्त उम्मीदवार खोजने में मदद करेगा।उक्त कार्यक्रम में गाज़ियाबाद की प्रमुख औद्योगिक इकाइयों एवं उद्योग संगठनों के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे।

मूर्ति विसर्जित कर लौट रहे लोगों का पिकअप वाहन पुल से गिरा, 3 की मौत

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

नोएडा के सेक्टर 113 थाना क्षेत्र में मूर्ति विसर्जित कर लौट रहे लोगों का पिकअप वाहन एक पुल की रेलिंग से टकरा गया, जिससे वाहन में बैठक छह लोग उछलकर 20 फुट नीचे गहरे गढ्ढे में जा गिरे। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस घटना में तीन लोगों की मौत हो गई और 18 अन्य घायल हो गए।

सहायक पुलिस आयुक्त ट्विंकल जैन ने बताया कि सेक्टर 113 थाने की पुलिस को रविवार की शाम को सूचना मिली कि हिंडन पुल और एफएनजी एक्सप्रेसवे को जोड़ने वाले एक पुल पर पिकअप वाहन रेलिंग से टकरा गया है और कई लोग पिकअप वाहन के नीचे दबे हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि दुर्घटना में तीन लोगों की मौत हुई है और 18 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से दो की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई हैं। ये लोग हिंडन नदी में मूर्ति विसर्जित कर पिकअप वाहन से घर लौट रहे थे। जैन ने बताया कि पिकअप वाहन में सवार सभी लोग मूलरूप से पश्चिम बंगाल के निवासी हैं और वर्तमान समय में नोएडा के सर्फाबाद गांव में रहते हैं। वे रविवार को हिंडन नदी में काली माता की मूर्ति को विसर्जन करने गए थे।

उन्होंने बताया कि लौटते वक्त बिसरख पुल पार करके पिकअप वाहन एफएनजी एक्सप्रेसवे की तरफ आ रहा था। इसी दौरान विपरीत दिशा से आ रहे वाहन से टक्कर से बचने की कोशिश में पिकअप वाहन अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गया और पलट गया।

पुलिस ने घायलों को बिसरख, नोएडा व आसपास के अस्पतालों में भर्ती कराया। उन्होंने बताया कि इस घटना में तीन लोगों दुर्योधन (52), वासुदेव (45) और रंजीत (55) की मौत हो गई, जबकि अन्य घायलों में से दो की हालत अत्यंत नाजुक बनी हुई है। सीओ ने बताया कि सूचना के आधार पर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची।

घायलों को इलाज के लिए अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। मौके से वाहन हटवाया गया। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि अब तक मृतकों के परिजनों ने इस मामले में थाने में कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है।

अन्नदाता किसान यूनियन की पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में बैठक आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

अन्नदाता किसान यूनियन की बैठक पी डब्लू डी के गेस्ट हाऊस नगीना में आयोजित की गई। सोमवार को आयोजित बैठक के दौरान जिले के व तहसील के पदाधिकारीयो दायित्वों सौंपे गये पी डब्लू डी के गेस्ट हाऊस नगीना में आयोजित बैठक के दौरान अल्पसंख्यक मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष आलमगीर उस्मानी ने जिले व तहसील श्तर के पदाधिकारी को घोषणा की।

इस मौके पर अन्नदाता किसान यूनियन के आलमगीर उस्मानी प्रदेश अध्यक्ष, नईम अहमद मंसूरी बढ़ापुर विधानसभा अध्यक्ष, शहबाज मलिक नगीना विधानसभा अध्यक्ष, सलीम नगीना तहसील अध्यक्ष, उबेद मलिक जिला

अध्यक्ष, शाहनवाज जिला महासचिव, अब्दुल हमीद देहात क्षेत्र अध्यक्ष, मोहम्मद केसर जिला सचिव, अर्शी खान जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, मंतसा जिला सचिव महिला मोर्चा, फहराना जिला महासचिव महिला मोर्चा आदि किसान यूनियन के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गैंगस्टर बिट्टू गुर्जर की जमानत अर्जी खारिज

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

विशेष न्यायाधीश (गैंगस्टर एक्ट) एवं अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-12, विनोद कुमार ने गैंगस्टर बिट्टू गुर्जर उर्फ तुषार की जमानत अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने माना कि आरोपित सक्रिय आपराधिक गिरोह का सदस्य है और समाज विरोधी गतिविधियों में शामिल रहा है।

उसकी रिहाई से सबूतों के साथ छेड़छाड़ की संभावना है। अदालत में दाखिल रिपोर्ट के अनुसार, आरोपी के खिलाफ थाना मोदीनगर में धारा 302, 201, 364, 120बी आइपीसी के तहत मुकदमा दर्ज है। आरोपित ने अपने साथियों के साथ मिलकर दीन मोहम्मद नामक व्यक्ति की हत्या कर शव को ठिकाने लगाने की साजिश रची थी।

इस मामले में चार्जशीट दाखिल की जा चुकी है। आरोपित जेल में बंद है। अभियोजन पक्ष के अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि बिट्टू गुर्जर एक सक्रिय गिरोह से जुड़ा हुआ है।

ट्यूशन के बहाने प्राइमरी स्कूल के अध्यापक ने नाबालिग से की गलत हरकत

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, आरोपी शिक्षक फरार, शिक्षा विभाग ने मांगी रिपोर्ट

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

कस्बा झालू में गुरू एवं शिष्य का बेहद पवित्र रिश्ते, इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना को एक दरिंदे शिक्षक ने अंजाम देकर गुरु के पवित्र रिश्ते को कलंकित किया है।

ट्यूशन के बहाने एक सरकारी प्राइमरी स्कूल के अध्यापक ने कथित तौर पर नाबालिग छात्रा के साथ गलत हरकत की। घटना की जानकारी मिलते ही क्षेत्र में आक्रोश फैल गया।, जबकि पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

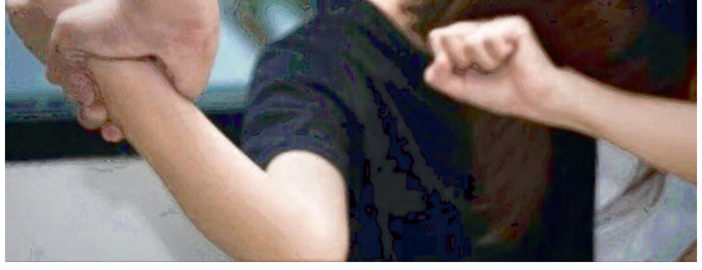

सूत्रों के अनुसार, बीते शनिवार की शाम किशोरी ट्यूशन पढ़ने गई थी। इसी दौरान आरोपी शिक्षक उसे अपनी गाड़ी में बैठाकर एक सुनसान स्थान पर ले गया।, जहां उसने अनुचित हरकत की। किसी तरह डरी-सहमी किशोरी घर लौटी और रोते हुए परिजनों को पूरी घटना बताई।

परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने गंभीर धाराओं में मामला दर्ज किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पीड़िता की मेडिकल जांच कराई जा रही है। साथ ही आरोपी की तलाश में पुलिस टीम गठित की गई है। आरोपी फिलहाल फरार है, लेकिन जल्द ही गिरफ्तारी की उम्मीद जताई जा रही है।

इस घटना से लोगों में गहरा आक्रोश है। अभिभावक संघों और समाजसेवी संगठनों ने आरोपी को सख्त से सख्त सजा देने की मांग की है। शिक्षा विभाग ने भी मामले का संज्ञान लिया है। विभागीय अधिकारी ने बताया कि यदि आरोपी शिक्षक सरकारी सेवा में कार्यरत पाया गया। , उसे तत्काल निलंबित कर विभागीय जांच शुरू की जाएगी। वही स्थानीय लोगों का कहना है कि शिक्षक समाज का मार्गदर्शक होता है। ऐसे लोगों के कारण पूरे शिक्षण समाज की छवि धूमिल होती है। इन्हें किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाना चाहिए।"

स्नेचिंग रोकने को पुलिस ने 10 साल का डाटाबेस खंगाला, 1205 बदमाश रडार पर

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मोबाइल, पर्स और चेन स्नेचिंग की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए गाजियाबाद पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है।

पुलिस ने पिछले 10 वर्षों में स्नेचिंग के कुल 1498 आरोपितों का विश्तृत डाटाबेस तैयार किया है। इनमें से लगभग 950 आरोपित गाजियाबाद के स्थानीय निवासी हैं, जबकि शेष अन्य जिलों से ताल्लुक रखते हैं। इस डाटाबेस को थाना और बीट श्तर की निगरानी व्यवस्था से जोड़ दिया गया है, ताकि ये बदमाश दोबारा अपराध की दुनिया में सक्रिय न हो सकें।

पुलिस की इस मुहिम का मुख्य उद्देश्य स्नेचिंग को खत्म करना है। इसके लिए पिछले 15 दिनों में एक विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें इन सभी आरोपितों का भौतिक सत्यापन किया गया। सत्यापन के दौरान उनके वर्तमान पता, रोजगार, परिवार और गतिविधियों की गहन जांच की गई।

अभियान के दौरान 1205 बदमाशों का सत्यापन पूरा किया गया और तीन सक्रिय अपराधियों पर नए मुकदमे दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी की गई। अभियान में और सख्ती दिखाते हुए पुलिस ने 295 बदमाशों को सक्रिय एवं संभावित अपराधी की सूची में शामिल किया है। इनकी हर गतिविधि पर अब लगातार नजर रखी जाएगी।

डाक घर में सर्वर की समस्या से जूझे लोग

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मुख्य प्रधान डाकघर में सोमवार को एक बार फिर सर्वर ठप होने की समस्या से लोगों को जूझना पड़ा। डाकघर के खुलने के कुछ समय बाद से ही सर्वर डाउन हो गया, जिससे घंटों इंतजार के बाद भी लोगों के काम नहीं हो सके। नवयुग मार्केट स्थित मुख्य प्रधान डाकघर में बड़ी संख्या में लोग काम कराने के लिए पहुंचते हैं। यहां स्पीड पोस्ट, पार्सल भेजने से लेकर अन्य कार्यों से आते हैं। सोमवार को डाकघर खुलने के कुछ देर बाद से ही सर्वर डाउन हो गया। दोपहर तक यही स्थिति बनी रही।

सोने के कड़े और ब्रेसलेट चोरी करने वाला गिरफ्तार

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

इंदिरापुरम थाना क्षेत्र स्थित शिप्रा शॉपिंग प्लाजा में सराफा की दुकान से हुई चोरी के मामले में पुलिस ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

पकड़ा गया आरोपित भी मैनपुरी के सराफा कारोबारी का बेटा है, यहां वह सराफा की दुकान में नौकरी कर रहा था। तीन नवंबर को आरोपित ने दुकान से दो सोने के कड़े और एक ब्रेसलेट चोरी कर लिया था।

सीओ इंदिरापुरम ने बताया कि इंदिरापुरम के सराफा कारोबारी अभिषेक वर्मा ने तीन नवंबर को इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। जांच के दौरान दुकान पर काम करने वाले मूलरूप से मैनपुरी के कोतवाली थाना क्षेत्र के मठिया वाली गली निवासी वाले रितिक वर्मा का पता चला। वह दुकान से कड़े और ब्रेसलेट चोरी कर भागा था। सराफा कारोबारी अभिषेक ने जानकारी दी थी।

नोएडा में सेवानिवृत्त बैंक कर्मी से 18.3 लाख रुपए की साइबर ठगी

✷ एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

थाना सेक्टर 39 क्षेत्र के सेक्टर 46 में रहने वाले एक सेवानिवृत्त बैंक कर्मी को अपने जाल में फंसाकर साइबर अपराधियों उनके खाते से 18.3 लाख रुपए निकाल लिये। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

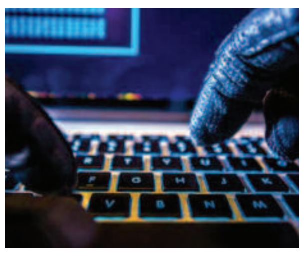

अपर पुलिस उपायुक्त (साइबर क्राइम) शैव्या गोयल ने बताया कि रजत गोयल पुत्र वीरेंद्र कुमार गोयल निवासी ए-407 सेक्टर 46 ने बीती रात को थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उनके पिता एक सेवानिवृत्त बैंक कर्मी हैं।

शिकायत के अनुसार, एक व्यक्ति ने उनके पिता को फोन कर कहा कि वह पेंशन विभाग से बोल रहे हैं और उनके पिता का जीवन प्रमाण पत्र चाहिए जो पेंशन के लिए आवश्यक है।

शिकायतकर्ता के अनुसार, उनके पिता ने उसकी बात पर विश्वास कर लिया तथा उसके द्वारा भेजी गई एपीके फाइल को अपलोड किया। इसी दौरान उक्त बदमाश ने उनके फोन को हैक कर उसमें मौजूद जानकारी के माध्यम से उनके खाते से 18 लाख 31 हजार रुपया निकाल लिये। उन्होंने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

माल विद्या को बढ़ावा हेतु सरकार और समाजसेवी आगे आये: उपमन्यु

✷ एनसीआर टुडे. मथुरा ✷

राया क्षेत्र के गांव भंकरपुर बसैला में विशाल कुश्ती दंगल का आयोजन किया गया। इस कुश्ती दंगल में छोटे बड़े सैकड़ों पहलवानों ने दांव-पेंच दिखाएं।

इस विराट कुश्ती दंगल का शुभारंभ ब्रज प्रेस क्लब अध्यक्ष एवं एन यू जे आई के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. कमलकांत उपमन्यु एडवोकेट ने पहलवानों का हाथ मिलवा कर किया।

उन्होंने कहा कि आज देहात में कुश्ती दंगल जैसे आयोजन दूर होते जा रहे हैं। सरकार और समाजसेवियों को कुश्ती दंगल एवं पहलवानों के प्रोत्साहन हेतु सहयोग करने के लिए दिल खोल कर आगे आना चाहिए।

ऐसे कार्यक्रमों के आयोजनों से होनहार प्रतिभाओं को उभरने का मौका मिलता है और चरित्र निर्माण एवं भाई चारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। हमें ऐसे कार्यक्रमों में बढ़ चढ़ कर भाग लेना चाहिए।

इस विराट कुश्ती दंगल का आयोजन रामहरि प्रधान द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें आखिरी कुश्ती 5 लाख 51 हजार रुपये एक मोटरसाइकिल इनाम रखी गई थी।

कुश्ती दंगल में पूर्व सेल टैक्स असिस्टेंट कमिश्नर चंद्रपाल सिंह पूर्णिया एडवोकेट सूबेदार पंडित समाजसेवी मनोज गोयल अज्जू पहलवान, कान्हा पहलवान, सोनू पहलवान बसैला, विपिन पहलवान, कहेरी पहलवान बसैला,अजित पहलवान विसावली, सोहिल मथुरा, राममोहन विसावली, नरेश धर्मपुरा ने अपने-अपने प्रतिद्वंद्वी पहलवानों को पराजित कर जीत हासिल की।

कुश्ती दंगल में चन्द्रपाल सिंह, शिब्बो पहलवान, भूपेश अग्रवाल, हरेन्द्र सिंह, हरिओम पहलवान आदि प्रमुख लोग उपस्थित रहे।

नूरपुर में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

लि प्रोबेशन अधिकारी सौरभ कुमार सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि माननीय सदस्य उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग लखनऊ श्रीमती अवनी सिंह द्वारा विकासखंड नूरपुर के सभागार कक्ष में महिला जनसुनवाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया है।

महिला जनसुनवाई में लगभग 85 महिलाओं द्वारा प्रतिभाग किया गया है।कार्यक्रम मै 5 महिलाओं की गोदभराई कार्यक्रम किया गया, व 16 महिलाओं द्वारा अपनी अपनी समस्याओं को प्रार्थना पत्रों के माध्यम से माननीय सदस्य के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों को मा0 सदस्य द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द से जल्द निश्तारण करने के निर्देश दिए गए हैं।

इस अवसर पर जिला कार्यक्रम अधिकारी विमल दुबे, वन स्टॉप सेंटर पैरामेडिकल स्टॉफ नाज परवीन, शुभम चौधरी द्वारा सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं का अधिक से अधिक महिलाओं एवं बच्चों को लाभ दिलाए जाने की अपेक्षा की गई है। इस दौरान सरकारी योजनाओं के पंपलेट वितरण भी किया गया है।

तदोपरांत माननीय सदस्य द्वारा ग्राम राहुनगली विकासखंड नूरपुर में महिला चौपाल का आयोजन किया गया है, जिसमें लगभग 105 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। माननीय सदस्य द्वारा थाना नूरपुर व थाना शिवाला कला का निरीक्षण भी किया गया। इस अवसर पर सीडीपीओ नूरपुर, विकासखंड अधिकारी नूरपुर, महिला थाना बिजनौर ,महिला थाना चांदपुर, व अन्य विभागों के अधिकारीगण भी मौजूद रहे ।

विशाखा मित्तल को सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम मे सम्मानित किया गया

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षण संस्थान से सम्बद्ध सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

कार्यक्रम की संयोजिका मृदुला शर्मा ने कार्यक्रम की प्रश्तावना प्रश्तुत की और इसके महत्व पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का संचालन प्रतिभा चक्रवर्ती और अध्यक्षता रितु गर्ग ने की। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ ललिता शर्मा रही। नगर की समाज़ सेविका आशा महेश्वरी कार्यक्रम की संरक्षिका के रूप में रही।

श्रीमती फूलमाला वर्मा ने भारत के विकास में महिलाओं की भूमिका के विषय में जानकारी दी। रजनी टॉक ने वक्ता के रूप में कुटुम्ब एवं पर्यावरण के संबंध में भारतीय दृष्टि का विषय लिया। कार्यक्रम में दीपा शर्मा, पुष्पा लाहोटी,संगीता जैन व नगर समाज़ सेविका विशाखा मित्तल को समाज में अपने विशेष कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। विद्यालय की बहनों के द्वारा रानी लक्ष्मीबाई , रानी अहिल्याबाई होलकर , रानी जीजाबाई , डॉ आनंदी बाई जोशी की सुंदर झाकियां प्रश्तुत की गई। कार्यक्रम में कुल 101 अभिभावक माताओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम में सभी आचार्या बहनों का योगदान रहा।

पेयजल संकट: तीन दिन से पानी के तरस रहे लोग

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

ट्रांस हिंडन क्षेत्र में पेयजल समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। शालीमार गार्डन स्थित डबल टंकी पार्क में खड़ी पानी की टंकी की पाइपलाइन बीते तीन दिन से क्षतिग्रश्त है।

इसके चलते करीब 30 हजार लोग पेयजल के लिए तरस रहे है। वहीं अर्थला, राजेंद्र नगर, डिफेंस कॉलोनी समेत अन्य इलाकों में दूषित जल आपूर्ति व कम दबाव से आपूर्ति की समस्या लगातार बनी हुई।

इसके चलते लोगों को बोतल बंद पानी खरीद गुजारा करना पड़ता है। ट्रांस हिंडन क्षेत्र के मोहन नगर जोन में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जल निगम ने 2019 में करीब 82 करोड़ की योजना बनाई थी।

इस योजना के तहत मोहन नगर जोन में कई जगह ऑवरहैड वाटर टैंक बनाए गये थे। लेकिन कई स्थानों पर बने टैंक से आपूर्ति आज तक भी शुरू नहीं हो सकी। इसके चलते आज भी

लोगों को पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। शालीमार गार्डन में शुक्रवार को जर्जर टैंक का मलबा हटाने के दौरान पेयजल लाइन क्षतिग्रश्त हो गयी। इसके चलते बीते तीन दिन से लोगों को पानी खरीद कर गुजारा करना पड़ रहा है। तीन दिन से लगातार पानी खरीदने के वजह से लोगों का आर्थिक बजट बीगड़ गया है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि डबल टंकी पार्क में स्थित टंकी की मैंन पाइप लाइन क्षतिग्रश्त है। इसके चलते तीन दिन से पानी खरीदना पड़ रहा है।

शालीमार गार्डन निवासी जुगल किशोर ने बताया कि तीन दिन से इलाकें में पानी की आपूर्ति बाधित है। किस वजह से बाधित है, इसकी सूचना भी जलकल विभाग ने नहीं दि। सोमवार को पता करने गये, तो देखा गया की पाइप लाइन क्षतिग्रश्त है। उन्होंने बताया कि जलकल विभाग को इसकी सूचना देनी चाहिए थी। जिससे निवासी वैकल्पिक व्यवस्था बना सके।

वहीं शालीमार गार्डन निवासी सोनू भाटी ने बताया कि इस टैंक से जनकपुरी, गणेश पुरी, शालीमार गार्डन ब्लॉक ए व बी समेत अन्य इलाकों में मे पीने के पानी सप्लाई होती है, जो ठप है। करीब 30 हजार लोगों को इससे पानी की आपूर्ति होती है।

इसके चलते रोजाना 100 से 200 रूपये तक पानी पर खर्च करने पड़ रहे है। लोगों की मांग है कि जल्द से जल्द जलकल विभाग पाइप लाइन की मरम्मत कर आपूर्ति सुचारू करें।

साथ ही, इस तरह कि समस्याओं की जानकारी लोगों को समय पर दे। ताकि लोग अपनी वैकल्पिक व्यवस्था बना सके।

संपादकीय

भारत-अमेरिका विवाद में क्वाड का भविष्य दांव पर

कुछ अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि अमेरिका भारत को छोड़कर क्वाड शिखर सम्मेलन आयोजित कर सकता है जिसमें फिलीपींस भी शामिल होगा। इसका उद्देश्य भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान को भ्रमित करना है।

फ़िलहाल ऐसा कुछ भी नहीं हो सकता क्योंकि फिलीपींस, भारत का विकल्प नहीं है, जो एक प्रमुख आर्थिक और समुद्री शक्ति है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पसंदीदा समूह क्वाड की सुरक्षा वार्ता हेतु नई दिल्ली में इस साल के अन्त तक प्रस्तावित क्वाड शिखर सम्मेलन-2025 अब भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव, जिसमें व्यापार और राजनीतिक दोनों मुद्दे शामिल हैं, के कारण गहरे संकट में है। साथ ही, इस साल मई में चार दिनों के लिए भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकने में अमेरिकी राष्ट्रपति की भूमिका को लेकर ट्रंप और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच व्यक्तिगत संबंधों में भी गिरावट आई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फरवरी 2025 की व्हाइट हाउस यात्रा के दौरान तय किए गए मूल कार्यक्रम के अनुसार, यह निर्णय लिया गया था कि भारत 2025 की दूसरी छमाही में क्वाड शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा और ट्रंप भारत का दौरा करेंगे।

अमेरिकी राष्ट्रपति के सूत्रों ने स्पष्ट रूप से बताया कि कार्यक्रम तय करने का काम केवल भारतीय प्रधानमंत्री पर छोड़ दिया गया था। अब 7 नवंबर तक, प्रधानमंत्री कार्यालय या विदेश मंत्रालय की ओर से इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि क्वाड शिखर सम्मेलन हो रहा है और उसकी तैयारियां की जा रही हैं। हालांकि अमेरिकी अधिकारियों द्वारा की गई कुछ टिप्पणियों में यह संकेत दिया गया था कि क्वाड बरकरार रहेगा, लेकिन उन्होंने भी इस पर कोई टिप्पणी नहीं की कि भारत इसकी मेजबानी करेगा या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा 2017 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान प्रचारित क्वाड में अमेरिका, भारत, जापान और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं। अमेरिका इसे एशिया-प्रशांत देशों के एक समूह के रूप में देखता था जो प्रशांत क्षेत्र में दीर्घकालिक सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए चारों देशों के लिए एक सामूहिक तंत्र के रूप में कार्य करेगा। उस समय आधिकारिक दस्तावेज में चीन का नाम आधिकारिक तौर पर नहीं लिया गया था, लेकिन यह स्पष्ट था कि अमेरिका एशिया-प्रशांत में चीनी सुरक्षा चुनौतियों का सामना करने के लिए क्वाड के माध्यम से भारत को एक प्रमुख भागीदार के रूप में देखना चाहता था। यही वह दौर था जब नरेंद्र मोदी ट्रम्प के अच्छे मित्र थे और उनकी व्यक्तिगत समझ उच्च कोटि की थी।

चीन का मुद्दा भारतीय प्रधानमंत्री के लिए लगातार चिंता का विषय रहा है और उन्होंने चीन के विरुद्ध ट्रंप की एशिया-प्रशांत समुद्री सुरक्षा रणनीति का हिस्सा बनने के लिए खुशी-खुशी सहमति जताई। जुलाई 2020 में भारत और चीन के बीच गलवान घाटी में हुई झड़पों, जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए, के बाद क्वाड के प्रति यह लगाव और भी प्रबल हो गया। बाइडन के कार्यकाल में क्वाड दृष्टिकोण 2024 तक और ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के पहले दो महीनों के दौरान अप्रैल 2025 तक जारी रहा। लेकिन भारत के लिए, इस वर्ष अप्रैल के बाद और अगस्त से स्थिति में भारी बदलाव आया, जब अमेरिका को भारतीय निर्यात पर 50 प्रतिशत का कुल टैरिफ लागू हो गया, जिससे अमेरिकी बाजार में भारतीय निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा। अमेरिका ने भारत को कच्चा तेल निर्यात करने वाली रूसी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिए और इससे एक संकट की स्थिति पैदा हो गई जब भारतीय कंपनियों को रूस से आपूर्ति कम करने के लिए मजबूर होना पड़ा। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए चल रही तमाम मौजूदा बातचीत के बावजूद, अभी तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकला है।

ट्रंप और मोदी के बीच कभी-कभार होने वाली बातचीत और एक-दूसरे को नमस्कार कहने के बावजूद भारत-अमेरिका संबंधों में गतिरोध बना हुआ है। अमेरिकी सूत्रों के अनुसार, ट्रंप इस साल 30 अगस्त को चीन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ नरेंद्र मोदी की मुलाक़ात के दौरान भारत द्वारा चीन के साथ दोस्ती के नए क़दमों से काफ़ी नाराज़ हैं। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के अधिकारी इस बात का आकलन करने की कोशिश कर रहे हैं कि क्या यह भारत द्वारा चीन को खुश करने की कोई नीतिगत पहल थी, या नाराज़ मोदी की ओर से ट्रंप को कोई संकेत देने की एक अस्थायी चाल थी। व्हाइट हाउस में आम राय यह है कि नरेंद्र मोदी कभी भी चीन के दोस्त नहीं हो सकते। अगर अमेरिकी राष्ट्रपति उन्हें राष्ट्रहित के रक्षक के रूप में अपनी छवि बनाए रखने के लिए कुछ रियायतें देते हैं, तो वे ट्रंप के पाले में लौट आएंगे।

अब क्वाड का भविष्य और नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित शिखर सम्मेलन की संभावना भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के सफल समापन पर निर्भर करती है। भारतीय वार्ता दल ने भारत सरकार को विकल्प दिए हैं और प्रधानमंत्री को फ़ैसला लेना है। भारत सरकार और कच्चे तेल व पेट्रोलियम उत्पादों के निजी आयातक रूस से आयात में भारी कमी करने के लिए तैयार हैं। प्रधानमंत्री ने इसकी अनुमति दे दी है। लेकिन सूत्र बताते हैं कि डेयरी समेत कृषि उत्पादों की बाज़ार पहुंच के मामले में, जो गुजरात को बड़े पैमाने पर प्रभावित करता है, प्रधानमंत्री अमेरिकी कंपनियों को किसी भी बड़े बाज़ार तक पहुंच की अनुमति नहीं देने के अपने पुराने रुख पर अड़े हुए हैं। बातचीत गोपनीय रखी जा रही है। इसलिए दूसरों के लिए यह पता लगाना मुश्किल है कि भारत-अमेरिका व्यापार वार्ताकारों की पिछली बैठक में भारतीय वार्ताकारों ने किस हद तक सहमति व्यक्त की थी। इस तरह भारत में क्वाड शिखर सम्मेलन भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के समापन से जुड़ा है।

अगर यह समझौता हो जाता है, तो राष्ट्रपति ट्रम्प नरेंद्र मोदी की मेजबानी में शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत आने पर सहमत हो सकते हैं। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री मोदी भी व्यापार गतिरोध की स्थिति में ट्रम्प का स्वागत करने में रुचि नहीं लेंगे। इसलिए दोनों ही तरह से, अगर व्यापार समझौते पर सहमति नहीं बनती है, तो क्वाड भारत में आयोजित नहीं किया जा सकता है। कुछ अमेरिकी मीडिया रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि अमेरिका भारत को छोड़कर क्वाड शिखर सम्मेलन आयोजित कर सकता है जिसमें फिलीपींस भी शामिल होगा। इसका उद्देश्य भारतीय सत्ता प्रतिष्ठान को भ्रमित करना है।

फ़लिहाल ऐसा कुछ भी नहीं हो सकता क्योंकि फिलीपींस, भारत का विकल्प नहीं है, जो एक प्रमुख आर्थिक और समुद्री शक्ति है। फिलीपींस और आसियान के एक-दो अन्य देशों को शामिल करके क्वाड का विश्तार किया जा सकता है, लेकिन अमेरिका के लिए, एशिया-प्रशांत रणनीति को कारगर बनाने में भारत महत्वपूर्ण है। इसलिए, अमेरिका नरेंद्र मोदी को अपने रास्ते पर लाने के लिए अंत तक प्रयास करेगा। अब यह हमारे प्रधानमंत्री पर निर्भर है कि वे दिखाएं कि क्या भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता का प्रयोग कर सकता है और अपने बारे में निर्णय ले सकता है?

स्वदेशी, आत्मनिर्भरता व आर्थिक सुधार

डा. जयंतीलाल भंडारी

हाल ही में 7 नवंबर को प्रकाशित विश्व बैंक की वित्तीय क्षेत्र आकलन (एफएसए) रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत विकास की डगर पर आगे बढ़ रहा है। अब भारत को 2047 तक 30000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के लिए आर्थिक-वित्तीय क्षेत्र में सुधारों को और तेजी देने तथा निजी पूंजी जुटाने को बढ़ावा देने की जरूरत है।

इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 2017 में पिछले एफएसए के बाद से भारत की वित्तीय प्रणाली अधिक मजबूत, विविध और समावेशी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया कि वित्तीय क्षेत्र में सुधारों ने भारत को 2010 के दशक के विभिन्न संकटों और महामारी से उबरने में मदद की।

रिपोर्ट में खाता उपयोग को और बढ़ावा देने और व्यक्तियों तथा एमएसएमई के लिए वित्तीय उत्पादों की एक विश्तृत श्रृंखला तक पहुंच को आसान बनाने के सुझाव भी दिए गए हैं। गौरतलब है कि हाल ही में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने एसबीआई कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित करते हुए कहा कि वर्ष 2014 से स्वदेशी आत्मनिर्भरता और आर्थिक सुधार देश की अर्थव्यवस्था बड़ा सहारा बन गए हैं।

उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना एक ऐसे राष्ट्र की है, जो अपने लिए और दुनिया के लिए डिजाइन, उत्पादन और नवाचार करता है। साथ ही एक ऐसी अर्थव्यवस्था की है, जो आत्मविश्वास, उद्यमिता और संवेदनशीलता से प्रेरित हो।

आत्मनिर्भर भारत के पांच प्रमुख आयाम हैं, जिसमें आर्थिक आत्मनिर्भरता, सामाजिक आत्मनिर्भरता, तकनीकी आत्मनिर्भता, सामरिक आत्मनिर्भरता और ऊर्जा आत्मनिर्भरता शामिल हैं। सीतारमण ने कहा है कि आत्मनिर्भरता का अर्थ दुनिया से अलग-थलग रहना नहीं है, बल्कि यह एक मजबूत और सक्षम परस्पर निर्भरता है, जो घरेलू जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ वैश्विक वैल्यू चेन से जुडने की क्षमता रखती है।

स्वदेशी और आत्मनिर्भरता का अंतिम लक्ष्य 2047 तक आम आदमी के विकास के साथ विकसित भारत का निर्माण करना है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में भारत स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के साथ अपने आर्थिक, वित्तीय और अन्य सुधारों के दम पर वैश्विक चुनौतियों के बीच मजबूती से आगे बढ़ा है। साथ ही भारत की घरेलू खपत भी भारत की आर्थिक शक्ति बन गई है।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है, इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओ में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है।

साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। इसी तरह एसबीआई कैपिटल मार्केट्स की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय वैश्विक व्यापार की चुनौतियों और ट्रंप के 50 फीसदी उच्च टैरिफ के चलते भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से मार्च के बीच मजबूत घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत व्यय अर्थव्यवस्था को सहारा देते हुए दिखाई देंगे। बीते माह अक्टूबर 2025 में घरेलू खपत तेजी से बढ़ी है।

निःसंदेह स्वदेशी और आत्मनिर्भरता से भारत की नई आर्थिक अनुकूलताओं और विकास की नई संभावनाओं का सुकूनदेह परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहा है। इस समय महंगाई घटने और वश्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधारों से भारत की घरेलू खपत तेजी से बढ़ते हुए दिखाई दे रही है। पिछले दिनों दिवाली के त्योहारी बाजार में बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर रही है।

ई-कॉमर्स ने दमदार उछाल दर्ज की है। यह भी महत्वपूर्ण है कि फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक जहां वर्ष 2023 में दिवाली के त्योहारी बाजार में 3.75 लाख करोड़ रुपये और वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपये की खरीददारी हुई थी, वहीं इस बार त्योहारी सीजन के तहत खरीददारी छह लाख करोड़ रुपये के अभूतपूर्व श्तर पर पहुंच गई। निश्चित रूप से इस वर्ष 2025 में कर संरचना को सरल बनाने वाले जीएसटी तथा आयकर सुधारों के बाद अब सरकार अगली पीढ़ी के सीमा शुल्क सहित अन्य सुधारों की डगर पर तेजी से काम कर रही है।

इसी के आधार पर दुनिया की चौथी सबसे बड़ी भारतीय अर्थव्यवस्था जल्द ही दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में रेखांकित होते हुए दिखाई दे सकेगी। ऐसे में अब कई अहम बातों पर ध्यान दिया जाना जरूरी है।

पेट्रोल और डीजल को भी जीएसटी व्यवस्था में शामिल करने की तैयारी करनी होगी। एक बार जब पेट्रोल और डीजल को जीएसटी प्रणाली में शामिल कर लिया जाएगा, तो इनके उपभोक्ताओं को तो लाभ होगा ही, लेकिन इनका उपयोग करने वाली प्रत्येक कंपनी को भी लाभ होगा, क्योंकि वे इन उत्पादों पर दिए गए कर को अपने अंतिम कर भुगतान के विरुद्ध समायोजित कर लाभ ले सकेंगी। अब जीएसटी कर मूल्यांकन प्रणाली को व्यवस्थित करना भी आवश्यक है।

इस बात पर ध्यान देना होगा कि जिस प्रकार इनकम टैक्स मूल्यांकन प्रणाली अब पूरी तरह से ऑनलाइन हो चुकी है और इसमें आम तौर पर किसी मानव हश्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती, वैसा ही अब जीएसटी प्रणाली को पूरी तरह ऑनलाइन और फेसलेस बनाने के लिए आगे बढ़ा जाना होगा।

यह बात भी महत्वपूर्ण है कि लोगों के जीवन को आसान बनाने व आर्थिक मजबूती के लिए अब सरकार को आगामी पीढ़ी के सुधार एजेंडा पर तेजी से आगे बढऩा होगा। सरकार को कृषि, बैंकिंग, श्रम, डिजिटलीकरण और वित्तीय क्षेत्र में सुधारों की डगर पर आगे बढऩा होगा। डिजिटलीकरण से वित्तीय समावेशन में मदद बढ़ाना होगी।

घरेलू बाजार को और मजबूत बनाने के मद्देनजर लॉजिस्टिक लागत घटाने के लिए नई लॉजिस्टिक नीति के अनुरूप तेजी से आगे बढऩा होगा। इनके साथ-साथ विनिवेश पर नए सिरे से जोर देने की आवश्यकता है। देश में विनिवेश एक नया नहीं बल्कि पुराना एजेंडा है। सरकार ने कोविड-19 महामारी के दौरान एक नई रणनीतिक विनिवेश नीति की घोषणा की थी। इस नीति के मुताबिक सरकार केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (सीपीएसई) में अपनी मौजूदगी न्यूनतम करेगी।

इस बारे में कुछ रणनीतिक क्षेत्रों की ओर ध्यान दिया जाना होगा। इनमें बीमा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज आदि प्रमुख हैं। साथ ही सरकार को गैर रणनीतिक क्षेत्रों के सार्वजनिक उपक्रमों के निजीकरण या उन्हें बंद किए जाने के मोर्चे पर तेजी से आगे बढऩा होगा।

इस बात पर भी ध्यान दिया जाना होगा कि विनिवेश से प्राप्त राशि का एक हिस्सा सार्वजनिक ऋण की अदायगी में भी उपयोग किया जा सकता है। ऐसे में सरकार पर ब्याज भुगतान का बोझ कम होगा और राजकोषीय गुंजाइश बढ़ेगी। ऐसी स्थिति सरकार और अर्थव्यवस्था के लिए बेहतर होगी।

उम्मीद करें कि सरकार देश की अर्थव्यवस्था को 2027 तक दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और 2047 तक विकसित देश बनाने के लिए स्वदेशी और आत्मनिर्भरता के साथ नए आर्थिक एवं वित्तीय सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ेगी।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

70 साल में भी वेस्ट यूपी नही बनी हाईकोर्ट बेंच

अशोक मधुप

पश्चिमी उत्तर प्रदेश (वेस्ट यूपी) में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की एक बेंच स्थापित करने की मांग एक बहुत पुराना और लगातार जारी रहने वाला आंदोलन है। लगभग 70 साल पुरानी यह मांग केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय न्याय, सामाजिक न्याय और राजनीतिक प्रतिनिधित्व की एक गहरी पुकार है। इस आंदोलन के कामयाब न होने की खास बात यह है कि आंदोलनरत वकील आदोलन से जनता को नही जोड़ सके। वह यह बताने में और जनता में मन में बैठाने में असफल रहे कि हाईकार्ट की बैंच पश्चिम उत्तर प्रदेश में बनने से यहां के रहने वालों को क्या लाभ होगा?

1948 में, उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ स्थापित की गई थी, लेकिन पश्चिमी यूपी को इससे कोई राहत नहीं मिली, क्योंकि लखनऊ भी इस क्षेत्र से काफी दूर था। वैसे 1955 की विधि आयोग की सिफारिशों ने इस आंदोलन को एक नई दिशा दी। आयोग ने सिफारिश की थी कि उच्च न्यायालय की बेंच उन क्षेत्रों में स्थापित की जानी चाहिए, जहाँ से दूरी अधिक है। साल 1955 में तत्कालीन मुख्यमंत्री संपूर्णानंद ने मेरठ में हाईकोर्ट बेंच स्थापित करने की सिफारिश की। वर्ष 1976 में तत्कालीन मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी की सरकार ने केंद्र को खंडपीठ स्थापित किए जाने का प्रश्ताव भेजा। जनता पार्टी के शासन में राम नरेश यादव की सरकार ने भी इस मांग पर मुहर लगाई और पश्चमी यूपी में हाईकोर्ट बेंच स्थापित करने के प्रश्ताव को कर उसे केंद्र सरकार को भेजा।

बनारसीदास सरकार एवं बाद में पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के कार्यकाल में भी एक प्रश्ताव पारित कर हाईकोर्ट बेंच की स्थापना की मांग को संश्तुति प्रदान की गईं । प्रश्ताव केंद्र सरकार को भेजा गया।

1970 और 1980 के दशक में, यह आंदोलन और भी जोर पकड़ने लगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के वकीलों ने हड़तालों और विरोध प्रदर्शनों के माध्यम से इस मुद्दे को राष्ट्रीय श्तर पर उठाया। किसान नेता चौधरी चरण सिंह, मुलायम सिंह यादव और अजित सिंह जैसे नेताओं ने भी इस मांग को अपना समर्थन दिया।

इससे यह मांग राजनीतिक मुद्दा बन जरूर बन गई किंतु नेताओं की इच्छा शक्ति के अभाव में और इलाहाबाद के वकीलों के दबाव में कभी पूरी नही हुई। आज भी, पश्चिमी यूपी के कई संगठन और बार एसोसिएशन इस मुद्दे पर नियमित रूप से आंदोलन करते रहते हैं।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों जैसे मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, गाजियाबाद, गौतम बुद्ध नगर और मथुरा से इलाहाबाद की दूरी 500 से 700 किलोमीटर है। इस लंबी दूरी के कारण मुवक्किलों और वकीलों को अत्यधिक समय, धन और ऊर्जा खर्च करनी पड़ती है।

गरीबी और संसाधनों की कमी वाले लोगों के लिए यह एक बड़ा बोझ बन जाता है।इलाहाबाद में एक मुकदमे के लिए जाने का मतलब है, न केवल यात्रा का खर्च, बल्कि वहाँ रहने और खाने का भी खर्च। इसके अलावा, वकीलों की फीस भी अधिक होती है। यह सब मिलकर गरीब और मध्यम वर्ग के लिए न्याय को बहुत महंगा बना देता है।

एक बात और इलाहाबाद की जगह यदि पश्चिम उत्तर प्रदेश को लखनऊ खंड पीठ से संबद्ध कर दिया जाता, तब भी दूरी दौ सौ किलोमीटर के आसपास कम हो जाती। लखनऊ पश्चिम उत्तर प्रदेश के नजदीक पड़ता है किंतु ऐसा भी नही किया गया।इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पहले से ही मुकदमों का भारी बोझ है।

पश्चिमी यूपी से आने वाले मामलों की बड़ी संख्या के कारण, न्याय में और अधिक देरी होती है। एक बेंच की स्थापना से मामलों का तेजी से निपटारा हो सकेगा, जिससे न्यायपालिका पर दबाव कम होगा। पश्चिमी उत्तर प्रदेश एक आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र है, जिसे अक्सर 'भारत का चीनी का कटोरा' कहा जाता एक हाईकोर्ट बेंच की स्थापना से इस क्षेत्र की न्यायिक और राजनीतिक पहचान मजबूत होगी, और यह एक आत्मनिर्भर केंद्र बन सकेगा।

वर्तमान में भी यह आंदोलन जारी है, हालाँकि इसने कई बार धीमी गति पकड़ी है।1981 से वकीलों के संगठन नियमित रूप से प्रत्येक शनिवार को हड़ताल करते हैं, वे धरने देते रहतें हैं, और ज्ञापन सौंपते हैं।

हालांकि, इस आंदोलन को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस आंदोलन के सामने सबसे बडी चुनौती है कि किसी भी राजनीतिक दल ने इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से नहीं लिया है। केंद्र और राज्य सरकारें इस मांग को टालती रही हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वकील इस मांग का विरोध करते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि एक बेंच की स्थापना से उनका काम और आय प्रभावित होगी।

सरकार का तर्क है कि एक बेंच की स्थापना से प्रशासनिक जटिलताएँ बढ़ेंगी और यह एक आर्थिक बोझ होगा। इसके अलावा, सरकार अक्सर इस मुद्दे को भविष्य के लिए टाल देती है।एक मजबूत और एकीकृत नेतृत्व की कमी ने इस आंदोलन को कमजोर किया है। अलग-अलग संगठन अपने-अपने तरीके से आंदोलन चला रहे हैं, जिससे एकता नहीं बन पाती।

हाल में पश्चिमी उत्तर प्रदेश में इलाहाबाद हाईकोर्ट की बेंच स्थापना के लिए सांसद अरुण गोविल मुखर हो गए हैं। मेरठ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सामने यह मांग उठाने के बाद सांसद अब अधिवक्ताओं की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कराएंगे। इसके लिए सांसद ने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर अधिवक्ताओं के लिए मिलने का समय मांगा है।

सांसद ने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश की लगभग छह करोड़ आबादी को सश्ता, सुलभ और त्वरित न्याय दिलाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। महाराष्ट्र जैसे राज्यों में उच्च न्यायालय की चार बेंच हैं।मध्य प्रदेश में दो बेंच हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश इतना बड़े होने के बाद भी यहां उच्च न्यायालय की एक पीठ है। इससे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए न्याय प्राप्त करना मुश्किल है। सांसद ने कहा कि यहां बेंच मिलने से कम समय में न्याय मिलेगा और धन की भी बचत होगी।एक हाईकोर्ट बेंच की स्थापना से न केवल पश्चिमी यूपी के लोगों को न्याय तक पहुँचने में आसानी होगी, बल्कि यह पूरे राज्य की न्याय प्रणाली को मजबूत करेगा। यह आवश्यक है कि सरकार, न्यायपालिका और सभी हितधारक मिलकर इस मुद्दे का समाधान निकालें।

पश्चिमी महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले में बॉम्बे हाईकोर्ट की एक नई पीठ ओर राज्य में चौथी हाईकोर्ट बेंच के गठन की अधिसूचना एक अगश्त को जैसे ही जारी हुई यूपी के मेरठ में सरगर्मियां बढ़ गईं। "पश्चमि उत्तर प्रदेश हाईकोर्ट बेंच केंद्रीय संघर्ष समिति" ने तुरंत वीडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए पश्चमी यूपी के 22 जिलों के बार अध्यक्षों और महामंत्री के साथ बैठक की. समिति के पदाधिकारियों ने सरकार से सवाल किया कि जब कोल्हापुर में बॉम्बे हाईकोर्ट की चौथी बेंच खुल सकती है तो यूपी के मेरठ में हाईकोर्ट की तीसरी बेंच क्यों नहीं स्थापित हो सकती? मेरठ में हाईकोर्ट बेंच की मांग को लेकर पश्चिमी यूपी के वकीलों ने चार अगश्त को हड़ताल कर प्रदर्शन किया।

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बैंच की स्थापना का आंदोलन पिछले लगभग 70 साल से जारी है। कब तक जारी रहेगा, यह भी नही कहा जा सकता।इतना जरूर कहा जा सकता है कि लगभग 70 साल चलने वाला यह आंदोलन लंबी अवधि तक चलने वाले आंदोलनों में जरूर दर्ज हो गया है।

सड़कों पर मौत की रफ़्तार पर ब्रेक कब लगेगा?

डॉ. प्रियंका सौरभ

भारत की सड़कों पर हर दिन लगभग चार सौ लोग अपनी जान गंवाते हैं। यह आँकड़ा किसी आपदा या महामारी से नहीं, बल्कि हमारी सड़कों पर व्याप्त अव्यवस्था और लापरवाही से जुड़ा है।

अनेक योजनाएँ, अभियान और कानून बनने के बावजूद भारत आज भी दुनिया के सबसे अधिक सड़क दुर्घटना मृत्यु दर वाले देशों में गिना जाता है। सवाल यह नहीं कि सरकार ने कुछ किया या नहीं, बल्कि यह है कि हमने सड़क सुरक्षा को कितनी प्राथमिकता दी। यह स्थिति न केवल प्रशासनिक असफलता है, बल्कि सामाजिक जिम्मेदारी और नागरिक संस्कृति की भी परीक्षा है।

भारत में सड़क सुरक्षा पर चर्चा अक्सर किसी बड़ी दुर्घटना या प्रसिद्ध व्यक्ति के हादसे के बाद तेज होती है, लेकिन कुछ दिनों में सब सामान्य हो जाता है। सड़क सुरक्षा को लेकर जो नीतियाँ बनती हैं, वे अधिकतर काग़ज़ों तक सीमित रह जाती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भारत विश्व की कुल सड़क दुर्घटनाओं में मृत्यु का लगभग ग्यारह प्रतिशत अकेले वहन करता है, जबकि हमारे पास विश्व की कुल गाड़ियों का हिस्सा मात्र एक प्रतिशत है। यह असंतुलन किसी भी जिम्मेदार राष्ट्र के लिए चेतावनी है।

सड़क दुर्घटनाओं के पीछे कई गहरे और परस्पर जुड़े कारण हैं। सबसे प्रमुख कारण है-अवसंरचना की गुणवत्ता और डिजाइन में गंभीर खामियाँ। हमारे अनेक राष्ट्रीय और राज्य राजमार्गों पर संकेतक, डिवाइडर, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा अवरोधक नहीं हैं। कई बार सड़कों का चौड़ीकरण बिना यातायात प्रवाह के वैज्ञानिक अध्ययन के किया जाता है। छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों में सड़कें वर्षा में टूट जाती हैं और वर्षों तक बिना मरम्मत के उपयोग में रहती हैं। सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार और निम्न गुणवत्ता के कारण लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ता है।

दूसरा बड़ा कारण है-कमजोर प्रवर्तन प्रणाली। भारत में यातायात नियम तो हैं, पर उनके पालन की संस्कृति नहीं है। तेज रफ़्तार, गलत दिशा में वाहन चलाना, बिना हेलमेट या सीट बेल्ट के यात्रा करना और नशे की हालत में गाड़ी चलाना आम बात है। पुलिस बलों के पास न तो पर्याप्त संसाधन हैं और न ही तकनीकी प्रशिक्षण कि वे इन नियमों को सख़्ती से लागू करा सकें। "ई-चालान" जैसी पहलें केवल बड़े शहरों तक सीमित रह जाती हैं, जबकि ग्रामीण भारत में यातायात नियंत्रण लगभग नाममात्र का है।

तीसरा कारण है-ड्राइविंग लाइसेंस व्यवस्था की खामियाँ। भारत में ड्राइविंग लाइसेंस प्राप्त करना कौशल का नहीं, बल्कि प्रक्रिया की औपचारिकता का प्रतीक बन गया है। प्रशिक्षण केंद्रों की कमी और भ्रष्टाचार के कारण बिना समुचित परीक्षण के लाइसेंस जारी कर दिए जाते हैं।

परिणामस्वरूप असुरक्षित चालक सड़कों पर उतर जाते हैं। कई देशों में वाहन चलाना एक जिम्मेदारी का प्रतीक माना जाता है, जबकि भारत में यह केवल एक अधिकार की तरह देखा जाता है।

इसके अतिरिक्त, वाहनों की तकनीकी सुरक्षा प्रणाली का अभाव भी दुर्घटनाओं में मृत्यु का बड़ा कारण है। अधिकांश वाहनों, विशेषकर ट्रक, बस और ऑटो श्रेणी में टक्कर-चेतावनी प्रणाली, एयरबैग, या ऊर्जा-अवशोषक ढाँचा नहीं होता। विकसित देशों में वाहन निर्माण के समय सुरक्षा प्रावधान अनिवार्य हैं, परंतु भारत में ये केवल महंगे मॉडलों तक सीमित रहते हैं। वाहन उद्योग और नियामक संस्थाओं के बीच जवाबदेही का अभाव स्पष्ट दिखाई देता है।

दुर्घटना के बाद की स्थिति और भी भयावह है। ट्रॉमा केयर और आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था की कमी के कारण घायल व्यक्ति समय पर उपचार नहीं पा पाते। "स्वर्णिम घंटा" यानी दुर्घटना के बाद का पहला घंटा जीवन बचाने के लिए निर्णायक होता है, परंतु हमारे देश में यह घंटा अक्सर सड़कों पर तड़पते हुए बीत जाता है। ग्रामीण इलाकों में एम्बुलेंस सेवाएँ भी सीमित हैं, और जो हैं, वे ईंधन या स्टाफ की कमी से प्रभावित रहती हैं।

सड़क दुर्घटनाओं का आर्थिक पक्ष भी गंभीर है। नीति आयोग के अनुसार, भारत हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं के कारण अपनी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग तीन प्रतिशत तक खो देता है।

यानी न केवल लोग मर रहे हैं, बल्कि विकास की रफ़्तार भी घट रही है। एक व्यक्ति की मृत्यु परिवार, समाज और अर्थव्यवस्था के लिए स्थायी क्षति है। यह केवल आँकड़ों की बात नहीं, बल्कि मानवीय जीवन के सम्मान का प्रश्न है। अब प्रश्न यह है कि इस स्थिति को बदला कैसे जाए? सबसे पहले तो सड़क सुरक्षा को प्रतिक्रियात्मक नहीं, निवारक नीति के रूप में अपनाना होगा।

इसका अर्थ है कि दुर्घटनाओं के बाद कार्रवाई करने के बजाय पहले से ऐसा तंत्र विकसित किया जाए जो दुर्घटनाओं को रोके। इसके लिए सड़क निर्माण, वाहन प्रौद्योगिकी, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं में समन्वित दृष्टिकोण आवश्यक है।

पहला कदम होना चाहिए-वैज्ञानिक सड़क डिजाइन और रखरखाव। हर सड़क परियोजना में निर्माण से पहले "सड़क सुरक्षा लेखा-परीक्षण" अनिवार्य किया जाना चाहिए। सड़कें केवल चौड़ी नहीं, बल्कि सुरक्षित और समझदार हों। संकेतक, गति अवरोधक, क्रैश बैरियर और रात्रि प्रकाश जैसे तत्वों को डिजाइन का अभिन्न भाग बनाना होगा। उदाहरण के लिए, चेन्नई और पुणे जैसे शहरों में "शून्य मृत्यु गलियारा" योजना के तहत मृत्यु दर में पचास प्रतिशत तक कमी आई है।

दूसरा कदम, लाइसेंस व्यवस्था में सुधार। पासपोर्ट सेवा केंद्र की तरह "लाइसेंस सेवा केंद्र" बनाकर पारदर्शी, डिजिटल और कौशल आधारित मूल्यांकन किया जा सकता है। प्रत्येक चालक को सड़क सुरक्षा प्रशिक्षण से गुजरना अनिवार्य किया जाए। इससे भ्रष्टाचार घटेगा और योग्य चालक सड़कों पर उतरेंगे। तीसरा कदम, वाहनों में सुरक्षा प्रौद्योगिकी का प्रसार। सरकार को सभी वाहनों में एयरबैग, सेंसर और टक्कर चेतावनी प्रणाली जैसे फीचर अनिवार्य करने चाहिए। "भारत वाहन सुरक्षा मूल्यांकन कार्यक्रम" (भारत एनसीएपी) सही दिशा में है, परंतु इसे प्रभावी क्रियान्वयन की आवश्यकता है।

चौथा कदम, पैदल यात्रियों और गैर-मोटर चालित वाहनों के लिए सुरक्षित अवसंरचना का विकास। हमारे शहरों में फुटपाथ अक्सर गायब हैं या दुकानों और पार्किंग में बदल जाते हैं। सुरक्षित ज़ेब्रा क्रॉसिंग, फुटओवर पुल और संकेत व्यवस्था से हजारों जानें बचाई जा सकती हैं। कोपेनहेगन और टोक्यो जैसे शहरों की तरह पैदल और साइकिल यात्रियों के लिए समर्पित मार्ग विकसित करने होंगे।

पाँचवाँ कदम, आपातकालीन प्रतिक्रिया नेटवर्क को मज़बूत करना। हर पचास किलोमीटर पर ट्रॉमा केंद्र, चौबीस घंटे एम्बुलेंस सेवा और हेल्पलाइन के साथ "राष्ट्रीय दुर्घटना प्रतिक्रिया जाल" तैयार किया जा सकता है। उपग्रह आधारित प्रणाली से एम्बुलेंस को शीघ्रतम मार्ग मिल सकता है। निजी अस्पतालों को दुर्घटना पीड़ितों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने का दायित्व कानूनी रूप से लागू किया जाना चाहिए।

साथ ही, जनजागरूकता का पहलू भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सड़क सुरक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि नागरिकों की जिम्मेदारी भी है। विद्यालय श्तर पर सड़क सुरक्षा शिक्षा, हेलमेट और सीट बेल्ट अभियान, तथा मीडिया के माध्यम से निरंतर जनसंवाद से व्यवहार में परिवर्तन लाया जा सकता है। जब तक नागरिक स्वयं जिम्मेदारी नहीं लेंगे, तब तक कोई भी नीति स्थायी परिणाम नहीं दे पाएगी।

कई देशों में सड़क सुरक्षा को राष्ट्र-निर्माण का अंग माना गया है। स्वीडन की "विजन ज़ीरो" नीति इसका उदाहरण है, जहाँ 1997 से यह लक्ष्य रखा गया कि किसी को भी सड़क पर मरना नहीं चाहिए। इस नीति ने डिज़ाइन, प्रवर्तन और तकनीक के संयोजन से मृत्यु दर को आधे से अधिक घटा दिया। भारत को भी इसी सोच के साथ आगे बढ़ना होगा, जहाँ मानव जीवन की कीमत सर्वोपरि हो। अंततः यह स्वीकार करना होगा कि भारत की सड़क सुरक्षा समस्या केवल अवसंरचना की नहीं, बल्कि मानसिकता की भी है। जब तक लोग स्वयं अनुशासन को अपनाने और दूसरों के जीवन का सम्मान करने नहीं सीखेंगे, तब तक कोई भी कानून कारगर नहीं होगा। सड़क सुरक्षा को राजनीतिक नारे से आगे बढ़ाकर सामाजिक आंदोलन बनाना होगा।

भारत आज आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, पर यह विडंबना है कि हर साल लाखों लोग केवल इसलिए मर जाते हैं क्योंकि हमारी सड़कें असुरक्षित हैं। विकास का वाश्तविक अर्थ तभी होगा जब सड़कों पर चलने वाला हर व्यक्ति-चाहे वह चालक हो, साइकिल सवार या पैदल यात्री-स्वयं को सुरक्षित महसूस करे।

समय आ गया है कि सड़क सुरक्षा को "परिवहन मुद्दे" नहीं बल्कि "मानव अधिकार मुद्दे" के रूप में देखा जाए।

यह केवल गति की नहीं, बल्कि जीवन की रक्षा का सवाल है। हमें तय करना होगा कि भारत की सड़कों पर रफ़्तार जीने का प्रतीक बने या मरने का कारण।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

विद्यार्थियों ने जाना कैसे बनते हैं हथियार

लखनऊ, एजेंसी। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय के व्यवसाय प्रशासन विभाग के विद्यार्थियों ने रविवार को कानपुर स्थित एडवांस्ड वेपंस एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड का शैक्षिक भ्रमण किया। विद्यार्थियों ने समझा कि किस तरह हथियार बनाए जाते हैं। कर्मचारी व अधिकारी काम कैसे करते हैं। छात्रों ने स्मॉल आर्म्स यूनिट और फील्ड गन फैक्ट्री जैसी प्रमुख इकाइयों को भी करीब से देखा। विभागाध्यक्ष प्रो. मुशीर अहमद ने बताया कि इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों के सैद्धांतिक ज्ञान को व्यावहारिक अनुभव से जोड़ना था।

एक ट्रक लकड़ी बरामद, दो गिरफ्तार

पटहेरवा। स्थानीय पुलिस ने अवैध तरीके से लकड़ी कटवा कर परिवहन करते समय एक ट्रक से 101 बोटा महुआ की लकड़ी बरामद करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय वन अधिनियम के तहत केस दर्ज किया। बरामद लकड़ी की कीमत पांच लाख और ट्रक समेत 20 लाख बताई जा रही है। थानाध्यक्ष विनय कुमार मिश्रा ने बताया कि रविवार को हाईवे पर बगही के पास एक ट्रक से 101 बोटा महुआ की इमारती लकड़ी बरामद की गई। इसके साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपी आदर्श शुक्ला निवासी बंगरा राम बक्स थाना सेवरही, रजनीश कुमार निवासी टूटहा थाना लालगंज, वैशाली बिहार के हैं।

शिवपुराण की कथा का कराया रसपान

कुशीनगर, एजेंसी। लक्ष्मीगंज। क्षेत्र के मिश्रौली पगार स्थित शिव शक्ति मंदिर में सात दिवसीय श्रीरुद्र महायज्ञ एवं श्रीशिव महापुराण कथा में रविवार को कथा व्यास राजीव नयन ने शिवलिंग शिवपुराण की कथा सुनाई। शिव शक्ति मंदिर परिसर में सुबह हवन किया गया। इसके बाद शाम को कथा व्यास राजीव नयन ने बताया कि प्रयागराज में संगम तट पर सप्त ऋषियों की एक सभा हुई, जिसमें एक शिवलिंग की स्थापना की गई। इस तरह धरती पर यह पहली बार शिवलिंग की स्थापना की गई थी। इस दौरान उयदभान पांडेय, नर्वदेश्वर पांडेय, संदीप आदि मौजूद रहे।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो लोग घायल

कुशीनगर। स्थानीय बाजार स्थित कॉलेज गेट के पास पकड़ियार मार्ग पर बोलेरो की चपेट में आने से बाइक सवार महिला समेत दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौजूद लोग उन्हें रामकोला सीएचसी भेजवाए, जहां उनकी हालत गंभीर देख डॉक्टर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। वहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। रविवार की दोपहर कॉलेज गेट के सामने बाइक से जा रहे नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र के 60 वर्षीय सुभाष व उनकी बहू 30 वर्षीय जीरा देवी एक अनियंत्रित बोलेरो की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौजूद लोग दोनों घायलों को रामकोला सीएचसी भेजवाए, जहां दोनों की हालत गंभीर देख डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज रविंद्रनगर रेफर कर दिया। वहां उनका इलाज चल रहा है।

पति को तड़पा-तड़पा कर मारा, इसलिए रजाई में बांध कुएं में फेंकी लाश...कातिल पत्नी और प्रेमी को मिली ये सजा

आगरा, एजेंसी। प्रेम संबंध में बाधा बनने पर पत्नी ने प्रेमी और उसके दोस्त के साथ मिलकर पति की हत्या की। इसके बाद शव को कुएं में फेंक दिया। सुनवाई पूरी होने पर अपर सत्र न्यायाधीश–8 संजय के. लाल की अदालत ने तीनों को दोषी माना। उन्होंने मृतक की पत्नी, डौकी के गांव पीपरा निवासी सुनील व धर्मवीर को आजीवन कारावास और एक–एक लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। थाना डौकी में दर्ज केस के अनुसार मृतक के मामा ने तहरीर दी थी। आरोप लगाया था कि वह 13 फरवरी 2019 की रात अपने भांजे से मिलकर गए थे। दूसरे दिन मिलने पहुंचे तो उसकी पत्नी मिली। वह बहुत डरी हुई थी। उसने पूछने पर बताया कि पति काम से बाहर गए हैं। शाम तक इंतजार के बाद भी भांजा घर नहीं आया। फोन बंद था। तलाश करने पर शव कुएं में रजाई से ढका मिला। रजाई उठाने पर गले में रस्सी बंधी थी। शरीर पर चोटों के निशान थे। तब उन्होंने पुलिस को बताया था कि उनके भांजे ने उन्हें अपनी पत्नी के अवैध संबंध कर जानकारी दी थी। विरोध पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। पुलिस ने 16 फरवरी को केस दर्ज कर तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। घटना के समय मृतक का सबसे बड़ा बेटा 15 साल का था। उसने कहा कि मां के सुनील कुमार से प्रेम संबंध थे। जब भी वह हमारे घर आता था तो मां मुझे और मेरे भाई–बहनों को पीटती थी। धर्मवीर को भी कई बार बहन–भाइयों ने अपने घर के पास देखा था। यह बात उन्होंने अपने पिता को बताई थी।

सरकार का एक्शन: भ्रष्टाचार के आरोप में समाज कल्याण विभाग के चार अधिकारी बर्खास्त, तीन की पेंशन से होगी कटौती

लखनऊ, एजेंसी। समाज कल्याण विभाग ने भ्रष्टाचार के आरोप में अपने चार जिला समाज कल्याण अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया है। उप्र लोक सेवा आयोग ने भी इनके बर्खास्तगी को मंजूरी दे दी है। इसमें से कुछ मामलों की फाइलें तो डेढ़ दशक से दबी हुई थीं। इतना ही नहीं भ्रष्टाचार के आरोपी जो तीन अधिकारी सेवानिवृत्त हो गए हैं, उनसे सरकारी रकम की वसूली के साथ पेंशन से स्थायी कटौती करने का निर्देश भी दिया गया। समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने सभी मामलों में एफआईआर कराने के निर्देश भी दे दिए हैं।

इन सभी अधिकारियों के खिलाफ जांच समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण की निगरानी में हुई। बर्खास्त होने वाले अधिकारियों में श्रावस्ती की तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी मीना श्रीवास्तव, मथुरा के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी करुणेश त्रिपाठी, हापुड़ के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय कुमार ब्यास और शाहजहांपुर के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार शामिल हैं। मीना श्रीवास्तव वर्तमान में भदोही में तैनात थीं, जबकि एसके ब्यास, राजेश कुमार और करुणेश त्रिपाठी निलंबित चल रहे थे और मुख्यालय से संबद्ध थे।

मीना श्रीवास्तव मार्च 2008 से अप्रैल 2012 तक श्रावस्ती में जिला समाज कल्याण अधिकारी के पद पर तैनात रहीं थी। तैनाती के दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री महामाया गरीब आर्थिक मदद योजना के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों को बिना सक्षम स्तर से स्वीकृत कराए डाटा फीडिंग कराई। शादी बीमारी योजना में लाभार्थियों की स्वीकृत सूची में उनके खाता संख्या में हेरफेर हुई। छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि को हड़पने में भी उनकी संलिप्तता मिली।

इसी तरह से मथुरा के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी करुणेश त्रिपाठी ने वहां तैनाती के दौरान निजी प्राइवेट आईटीआई संस्थानों को अनियमित तरीके से छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति का भुगतान कर गंभीर वित्तीय अनियमितता की। 11 मान्यताविहीन संस्थानों को 2.53 करोड़ की राशि का भुगतान छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में किया गया। निजी आईटीआई में 2 वर्ष आयु के बच्चों से लेकर 51 वर्ष तक की आयु वाले व्यक्तियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिला कर धनराशि हड़पी गई। बर्खास्तगी के साथ ही उनसे 19.25 करोड़ रुपये की वसूली के निर्देश भी दिए गए हैं।

हापुड़ के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी संजय कुमार ब्यास ने वित्त वर्ष 2012-13 में शासनादेश में दिए गए निर्देशों की अवहेलना करते हुए शिक्षण संस्थाओं से डेबिट अथॉरटी लेटर लेकर छात्रवृत्ति के 2.74 करोड़ रुपये छात्र-छात्राओं के बैंक खातों में न भेजकर शिक्षण संस्थाओं के बैंक खाते में सीधे भेज दिए। हापुड़ में दशमोत्तर छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति की विभागीय वेबसाइट पर छात्र-छात्राओं के अपलोड विवरण में से सूची प्रिंट कर उसमें फ्ल्यूड लगाकर अभिलेखों में फर्जीवाड़ा किया। बर्खास्तगी के साथ 3.23 करोड़ रुपये की वसूली का निर्देश दिया गया है।शाहजहांपुर के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी राजेश कुमार ने तैनाती के दौरान वित्त वर्ष 2022-23 में राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन योजना के अंतर्गत लाभार्थियों के बैंक खाते बदलकर अपात्रों को लाभ पहुंचाया। बर्खास्तगी के साथ 2.52 करोड़ रुपये की वसूली की जाएगी।

श्रीभगवान से 20 लाख की रिकवरी, पेंशन में कटौती भी : इसके अलावा अब सेवानिवृत्त हो चुके औरैया के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी श्रीभगवान से गबन की धनराशि 33 लाख 47 हजार 400 रुपये में से 20 लाख रुपये की वसूली अधिकारी के देयकों से किये जाने और उनकी पेंशन से स्थाई रूप से 10 प्रतिशत की कटौती किए जाने का निर्देश दिया गया है। श्रीभगवान वर्ष 2018 से 2020 तक जिले में कार्यरत रहे और वहीं से सेवानिवृत्त हुए। उन्होंने वृद्धावस्था पेंशनरों के खातों के नाम में भिन्नता होने पर भी वेरिफाई किया। 251 लाभार्थियों के खाते बदलकर अन्य व्यक्तियों के खाते में पेंशन की राशि भेजी गई।मथुरा के तत्कालीन जिला समाज कल्याण अधिकारी विनोद शंकर तिवारी ने वर्ष 2015-16 से 2019-20 तक 11 मान्यताविहीन संस्थानों को 2.53 करोड़ की धनराशि का भुगतान छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के मद में किया। वर्ष 2018-19 में 20 शिक्षण संस्थानों व वर्ष 2017-18 में 8 शिक्षण संस्थानों के कुल 5133 छात्रों ने बिना परीक्षा में शामिल हुए छात्रवृत्ति व शुल्क प्रतिपूर्ति के रूप में 9.69 करोड़ रुपये प्राप्त किए।

बेहतर कल के लिए परीक्षार्थियों ने दिखाया उत्साह

लखनऊ, एजेंसी। हमारा कल बेहतर हो और आगे की पढ़ाई जारी रहे ताकि हम अपने सपने साकार कर सकें। इसी उम्मीद के साथ रविवार को राजधानी के दो परीक्षा केंद्रों पर भारी संख्या में परीक्षार्थी अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा-2025 में शामिल हुए। परीक्षा का आयोजन सुबह 11 बजे से होना था लेकिन परीक्षार्थी सुबह सात बजे से ही केंद्रों पर पहुंच गए।

अतुल माहेश्वरी छात्रवृत्ति परीक्षा-2025 का आयोजन लखनऊ में सीतापुर रोड स्थित सेंट जोसेफ स्कूल और पारा स्थित अवध कॉलेजिएट में किया गया। परीक्षा देने लखनऊ के साथ ही हरदोई, उन्नाव, रायबरेली, सीतापुर सहित कई पड़ोसी जनपद के विद्यार्थी पहुंचे। अवध कॉलेजिएट स्थित परीक्षा केंद्र पर पंजीकृत 598 विद्यार्थियों में से 222 ने परीक्षा दी। सेंट जोसेफ स्कूल सीतापुर रोड केंद्र पर पंजीकृत 1114 परीक्षार्थियों में से 363 ने परीक्षा दी।

परीक्षार्थियों का कहना था कि आगे की पढ़ाई के लिए यह छात्रवृत्ति बेहद मददगार साबित हो सकती है।

इसके आयोजन में सेंट जोसेफ स्कूल के चेयरमैन अनिल अग्रवाल के साथ ही शिक्षक प्रिया सिंह, मुदित अग्रवाल, मनीष सिंह, अविरल आनंद, हिमानी मुखी, नीलू गुप्ता, लता लोहानी, अमिता सिंह, पल्लवी, समरीन, रितु ने अहम योगदान दिया। इसी तरह अवध कॉलेजिएट परीक्षा केंद्र पर विद्यालय के प्रबंधक सर्वजीत सिंह, निदेशक जतिंदर वालिया, प्रधानाचार्या देबजानी मुखर्जी के साथ ही तजिंदर कौर, संजू सिंह और अमित कुमार मिश्र ने सहयोग किया।

गंभीर बीमारी से पीड़ित था बच्चा, घरवाले गणेश मानकर करने लगे पूजा... नाक से बाहर निकल आए थे मस्तिष्क के ऊतक

लखनऊ, एजेंसी। किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के डॉक्टरों ने कुशीनगर निवासी 14 वर्षीय किशोर को जन्मजात विकृति से मुक्ति दिलाई है। गंभीर जटिलता की वजह से जन्म के समय से ही किशोर के मस्तिष्क के ऊतक नाक के पास निकले हुए थे। गांव और घरवालों ने सर्जरी कराने के बजाय गणेश मानकर उसकी पूजा शुरू कर दी। समस्या बढ़ने पर उसे केजीएमयू लाया गया। केजीएमयू में प्लास्टिक सर्जरी विभाग के प्रो. बृजेश मिश्रा ने बताया कि हाइपरटेलोरिज्म के साथ नासोएथमॉइडल एनसेफेलोसील ऐसी स्थिति है, जिसमें मस्तिष्क के ऊतक बाहर उभरने लगते हैं। इस मामले में ऊतक नाक के पास निकले हुए थे।

घरवालों ने भगवान गणेश समझकर उसकी पूजा शुरू कर दी और उसका नाम भी गणेश ही रख दिया। ये ऊतक लगातार बढ़कर किशोर के लिए समस्या बनने लगे थे। ऐसे में आसपास के लोगों ने उसे केजीएमयू जाकर दिखाने की सलाह दी। प्लास्टिक सर्जरी विभाग में जांच के बाद सर्जरी की सलाह दी गई।

आठ घंटे चली सर्जरी प्रो. बृजेश मिश्रा ने बताया कि सर्जरी करीब आठ घंटे चली। पहले चरण में न्यूरोसर्जन डॉ. सोमिल जायसवाल ने मस्तिष्क से जुड़ी संरचनाओं को अलग किया। इसके बाद प्लास्टिक सर्जन ने उभरे हुए हिस्से को अलग किया।

इस मामले में नाक का छिद्र बहुत चौड़ा था और अच्छी मात्रा में मस्तिष्क के ऊत्तक नाक की जड़ से और नासिका पट से बाहर निकल रहे थे। नाक के पुनर्निर्माण के लिए फैली हुई माथे की हड्डी और नाक की संरचनाओं को फिर से आकार दिया गया।

सर्जरी करने वाली टीम में ये थे शामिल : प्लास्टिक सर्जन डॉ. बृजेश मिश्रा, डॉ. रवि कुमार, डॉ. बी गौतम रेड्डी, डॉ. गौरव जैन, डॉ. अजहर फैयाज, डॉ. साक्षी भट्ट, डॉ. रुचा यादव, डॉ. आंचल अग्रवाल और डॉ. आकांक्षा मेहरा। न्यूरोसर्जन प्रो. सोमिल, डॉ. विष्णु वर्धन, डॉ. शुत्रित त्यागी और डॉ. शुभम कौशल। एनेस्थीसिया : डॉ. तन्मय तिवारी, डॉ. आमना खातून, डॉ. शांभवी झा, डॉ. छवि कारा, डॉ. ओबिली मनोज, डॉ. आयुषी माथुर।

बरेली में राष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता में 836 खिलाड़ी दिखाएंगे दम, 11 से 15 नवंबर तक होगा आयोजन

बरेली, एजेंसी। बरेली के राजकीय इंटर कॉलेज के मैदान में 11 से 15 नवंबर तक होने वाली 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय वॉलीबॉल अंडर-17 प्रतियोगिता में 70 टीमों के 836 खिलाड़ी दमखम दिखाएंगे। दूसरी बार प्रतियोगिता की मेजबानी बरेली को मिली है। प्रतियोगिता में बालक वर्ग की 36 और बालिका वर्ग की 34 टीमें शामिल होंगी। बालक वर्ग में 23 राज्यों, छह केंद्रशासित प्रदेशों और सात यूनिट्स की टीमें शामिल हैं। वहीं, बालिका वर्ग में 22 राज्य, छह केंद्रशासित प्रदेश और छह यूनिट्स हिस्सा ले रही हैं। बालक वर्ग में 431 और बालिका वर्ग में 405 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

यह जानकारी मंडल के संयुक्त शिक्षा निदेशक व आयोजन के सचिव राकेश कुमार, जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अजीत कुमार, पीएमश्री राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश राय और मंडलीय क्रीड़ा सचिव नईम अहमद ने रविवार को प्रेसवार्ता में दी। प्रतियोगिता के लिए रविवार से ही अलग-अलग राज्यों की टीमों का शहर में आगमन शुरू हो गया है। सोमवार को सभी टीमें अभ्यास सत्र में हिस्सा लेंगी।

विजेता टीमों के लिए विशेष रूप से बनवाई गई ट्रॉफी 50 इंच की है और ब्रास से निर्मित है। 220 ग्राम के पदक से भी नवाजा जाएगा। प्रतिभागी को एक बैग मिलेगा। जिसमें एक वॉलीबॉल, टी-शर्ट व कॉफी मग शामिल है।

टीमों के लिए लाइजनिंग ऑफिसर नियुक्त

बालक वर्ग में खिलाड़ियों के साथ 103 और बालिका वर्ग में 43 कोच व टीम मैनेजर भी शहर आ रहे हैं। सपोर्ट स्टाफ की संख्या 146 है। प्रत्येक टीम के साथ लाइजनिंग ऑफिसर भी नियुक्त किए गए हैं। आयोजकों ने बताया कि ठहरने के लिए 27 होटलों में 410 कमरे बुक किए गए हैं। आवागमन के लिए 16 बसें, छह टेंपो ट्रैवलर और 30 कार किराये पर ली हैं।यह आयोजन जिले के लिए गर्व की बात है। हालांकि इसका निराशाजनक पहलू यह है कि उत्तर प्रदेश की टीम में न तो बरेली जिले और न मंडल के किसी जिले से कोई खिलाड़ी चयनित हुआ है।

लोड टेस्टिंग के लिए पांच दिन तक बंद रहेगा रिंग रोड फेज-3 का गंगा पुल, एनएचएआई ने जारी किया पत्र

वाराणसी, एजेंसी। रिंग रोड फेज 3 के गंगा पुल पर लोड टेस्टिंग का काम 10 नवंबर की सुबह 8 बजे से 14 नवंबर की रात 12 बजे तक चलेगा। इसके लिए रूट डाइवर्जन प्लान जारी किया गया है। इस दौरान इस पुल से कोई भी वाहन न आएगा न जाएगा। तकरीबन 1.8 किमी गंगा पर बने पुल पर लोड टेस्टिंग होगी। इसमें निर्माण सामग्री ट्रकों में लोड करके छोड़ दिया जाएगा। लोड टेस्ट में पास होने के बाद फीनिशिंग का काम पूरा कराया जाएगा। इस दौरान यदि कोई दिक्कत आएगी तो उसकी भी मरम्मत होगी।

एनएचएआई के अनुसार रिंग रोड फेज थ्री में संदहा से पंचपेड़वा की 27.27 किमी की दूरी 994 करोड़ की लागत से बनाई गई है। यहां बभनपुरा से गंगा में पुल है जो मवईकला के पास जाकर समाप्त हो रहा है। इसी पर लोड टेस्टिंग होगी। पुल के एक छोर पर विभाग की ओर से भारी वाहन अवरोधक बैरियर लगा दिया गया है। जिससे अब इस मार्ग से कोई वाहन नहीं गुजरेंगे।

विभाग ने एहतियातन केवल छोटे वाहनों को पुल से गुजरने की अनुमति दी थी लेकिन बाद में भारी वाहन भी इस मार्ग का उपयोग करने लगे। लगातार बढ़ते दबाव के कारण पुल की सड़क सतह उखड़ने लगी और जगह-जगह दरारें पड़ गईं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए विभाग ने पुल की तत्काल मरम्मत कराई और भविष्य में संरचना को नुकसान से बचाने के लिए बभनपुरा गांव की ओर भारी वाहन अवरोधक स्थापित कर दिया। लोड टेस्टिंग के बाद ही भारी वाहन के लिए भी खोला जाएगा।

एनएचएआई ने जारी किया पत्र : एक अधिकारी ने बताया कि एनएच-29 बाईपास स्थित गंगा पुल पर निर्माण और मरम्मत कार्य के कारण पांच दिनों तक वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। एनएचएआई के परियोजना निदेशक की ओर से पत्र जारी किया गया है।

गंगोत्री क्रूज में छिपे आतंकी, हेलिकॉप्टर से एनएसजी कमांडो ने किया रेस्क्यू, सहम गए पर्यटक

वाराणसी, एजेंसी। रविदास घाट के सामने रविवार की सुबह गंगा में गंगोत्री क्रूज में आतंकियों के छिपे होने की सूचना पर पहुंची एनएसजी ने हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया। क्रूज के ऊपर हेलिकॉप्टर के चक्कर काटने का दृश्य देख पर्यटक और आसपास के नाविक भी सहम गए। समझ नहीं पाए कि अचानक क्या हो गया। बाद में पुलिस ने जानकारी दी कि एनएसजी की मॉकड्रिल चल रही है। लगभग एक घंटे तक मॉकड्रिल चली।

एनएसजी को सूचना मिली कि गंगोत्री क्रूज में कुछ आतंकी घुस आए हैं। इसके बाद एनएसजी कमांडो की टीम ने हेलिकॉप्टर से क्रूज के ऊपर घेरा बनाया। कुछ देर बाद एनएसजी कमांडो एक-एक कर क्रूज में दाखिल हुए। आतंकियों को मार गिराया। लगभग 30 से 40 मिनट तक हेलिकॉप्टर क्रूज के ऊपर मंडराता रहा और इस बीच घाट पर बैठे पर्यटक और नाविकों ने दूर से ही अपने मोबाइल से इस दृश्य को अपने कैमरे में कैद किया। कुछ लोगों ने सोशल मीडिया पर भी वीडियो और फोटो साझा किए।

डीसीपी काशी जोन गौरव वंशवाल ने बताया कि एनएसजी की मॉक ड्रिल थी। इसके पूर्व घाटों पर बैरिकेडिंग और नाव को हटाने बढ़ाने के साथ ही रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया।

योग्यता और सुविधाओं के मानक पर खरे नहीं उतरे अनुदानित मदरसे, 35 से ज्यादा को नोटिस भेजी

लखनऊ, एजेंसी। मदरसा नियमावली-2016 के मानकों पर कई अनुदानित मदरसे खरे नहीं उतरे हैं। जांच में कई जिलों के मदरसों में प्रधानाचार्यों और शिक्षकों की योग्यता अपूर्ण पाई गई है। मदरसा बोर्ड ने ऐसे 35 से ज्यादा मदरसों को नोटिस जारी किया है। प्रदेश में 558 अनुदानित मदरसे हैं। इनमें आधारभूत सुविधाओं, छात्र-शिक्षक अनुपात, भवन, शिक्षकों व शिक्षणेतर कर्मचारियों की योग्यता की जांच आदि के लिए एक दिसंबर 2023 को जिला अल्पसंख्यक अधिकारियों को निर्देश दिए गए थे।

जिलों से जांच रिपोर्ट मिलने के बाद मदरसा बोर्ड ने मानक पूरा न करने वाले मदरसों और शिक्षकों पर कार्रवाई शुरू की है। बोर्ड की रजिस्ट्रार अंजना सिरोही ने देवरिया, आजमगढ़, मिर्जापुर, गाजीपुर आदि जिलों के 35 से ज्यादा मदरसों को नोटिस भेज कर उन्हें दस्तावेजों के साथ अपना पक्ष रखने के आदेश दिए गए हैं।

यहां मिलीं गड़बड़ियां गाजीपुर के मदरसा चश्मये रहमत ओरियंटल : कॉलेज के प्रधानाचार्य व सात शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता अपूर्ण पाई गई। ऐसे ही मदरसा बुखारिया फरीदिया फखनपुर में 3 शिक्षक, दारुल उलूम कादरिया दाएरा शाह अहमद के प्रधानाचार्य व एक शिक्षक, मदरसा दारुल उलम अहले सुन्नत गौसिया मस्तान बाग बारा के प्रधानाचार्य व 3 शिक्षक और मदरसा जामिया करीमिया करीमपुरा के प्रधानाचार्य, छह शिक्षक व एक लिपिक की शैक्षिक योग्यता अपूर्ण पाई गई है। मिर्जापुर के मदरसा गौसिया इस्लामिया बेगपूर में शिक्षक-छात्र अनूपात मानक के विपरीत मिले। साथ ही मदरसे के प्रधानाचार्य, 4 शिक्षक व एक लिपिक शैक्षिक रूप से अयोग्य पाए गए हैं।

शिक्षक संगठनों ने जांच व कार्रवाई पर उठाए सवाल : ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन मदारिसे अरबिया के महासचिव वहीदउल्लाह खान सईदी ने रजिस्ट्रार को पत्र भेज कर मदरसा नियमावली-2016 के मानक से कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि जितने भी मदरसों को पत्र भेज कर शिक्षकों की शैक्षिक योग्यता को अपूर्ण बताया गया है उनमें से ज्यादातर शिक्षकों की नियुक्ति नियमावली-1987 के मानकों पर हुई है। लिहाजा उनकी शैक्षिक योग्यता की जांच तत्कालीन नियमावली से की जाए। मदरसा बोर्ड के पूर्व सदस्य हाजी दीवान साहेब जमां ने कहा कि सभी अनुदानित मदरसे मान्यता एवं सेवा नियमावली-1987 के मानकों पर हैं। वर्ष 2015 के बाद कोई भी मदरसा अनुदान सूची पर नहीं लिया गया है। ऐसे में नियमावली 2016 के अनुसार जांच अन्याय है।

मदरसा बोर्ड की रजिस्ट्रार अंजना सिरोही का कहना है कि जांच में कई मदरसों में अलग-अलग कमियां पाई गई हैं। परीक्षण के बाद ही स्पष्ट संख्या पता चलेगी। जांच रिपोर्ट के हिसाब से मदरसों को नोटिस भेजकर उनको अपना पक्ष रखने के लिए तय तिथि पर बोर्ड कार्यालय में बुलाया गया था। फिलहाल उच्च न्यायालय से संबंधित केस की अधिकता से सभी मदरसों की सुनवाई की तय तिथि को निरस्त कर दिया गया है।

विश्व शतरंज कप:

विदित गुजराती बाहर, कार्तिक ने किया चौथे दौर में प्रवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। कार्तिक की इस जीत के साथ अब तक पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इनमें अर्जुन एरिगेसी, आर. प्रज्ञानंद, पी. हरिकृष्णा, और विश्व जूनियर चैंपियन वी. प्रणव पहले ही चौथे दौर में जगह बना चुके हैं। भारत के ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती का विश्व शतरंज कप में सफर रविवार को समाप्त हो गया। तीसरे दौर के टाई-ब्रेक मुकाबले में उन्हें अमेरिका के सैम शैंकलैंड के हाथों कड़े संघर्ष के बाद 2.5-3.5 से हार झेलनी पड़ी। भारत के एस. एल. नारायणन को भी टाई-ब्रेक के पहले सेट में चीन के यांगयी यू से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि, इस बीच वी कार्तिक ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए रोमानिया के डेक बोगदान-डैनियल को 1.5-0.5 से हराकर चौथे दौर में प्रवेश कर लिया। कार्तिक की इस जीत के साथ अब तक पांच भारतीय खिलाड़ी खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इनमें अर्जुन एरिगेसी, आर. प्रज्ञानंद, पी. हरिकृष्णा, और विश्व जूनियर चैंपियन वी. प्रणव पहले ही चौथे दौर में जगह बना चुके हैं। विदित गुजराती इस टूर्नामेंट से बाहर होने वाले तीसरे प्रमुख भारतीय खिलाड़ी हैं। इससे पहले विश्व चैंपियन डी. गुकेश को जर्मनी के फ्रेडरिक स्वेन ने हराया था, जबकि अरविंद चिदंबरम को दूसरे दौर में ही कार्तिक ने मात दी थी।

चेन्नई का साथ छोड़ देंगे रवींद्र जडेजा?

● सैमसन को लेकर क्या है धोनी की प्लानिंग... पूर्व क्रिकेटर ने उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई सुपर किंग्स आईपीएल के अगले सीजन में राजस्थान रॉयल्स के साथ रवींद्र जडेजा और संजू सैमसन के बीच एक डायरेक्ट स्वैप डील पर विचार कर रही है. यह सौदा अगर होता है तो आईपीएल ऑफ-सीजन की सबसे बड़ी खबरों में से एक साबित हो सकता है. चेन्नई, जो एमएस धोनी के करियर के बाद उनके लॉन्ग-टर्म सक्सेसर की तलाश में है, उसने संजू सैमसन को अपने आदर्श लक्ष्य के रूप में चिन्हित किया है. रिपोर्ट्स यह भी बताती हैं कि सैमसन खुद भी जयपुर-स्थित फ्रेंचाइज़ी से दूर जाने के इच्छुक हैं. हालांकि, यह संभावित कदम सीएसके समर्थकों के लिए एक भावनात्मक प्रश्न उठाता है कि क्या फ्रेंचाइज़ी को वास्तव में अपने ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा से अलग होना चाहिए? जडेजा, जो धोनी के साथ टीम की सफलता के स्तंभों में से एक रहे हैं, को छोड़ना क्या उस टीम की परंपरा के खिलाफ नहीं होगा जो हमेशा अपने सीज़न्ड क्रिकेटर्स के प्रति वफादार रही है? पूर्व भारतीय घरेलू खिलाड़ी प्रियांक पांचाल ने X (पूर्व ट्विटर) पर अपनी राय दी और फ्रेंचाइज़ी को अपने सबसे बड़े मैच-विनर्स में से एक को छोड़ने से सावधान किया. उन्होंने जडेजा को एक ऐसा आइकन बताया जो चेन्नई सुपर किंग्स की आत्मा का प्रतिनिधित्व करते हैं. उन्होंने कहा, जडेजा भाई को संजू के बदले ट्रेड करना सीएसके की सबसे बड़ी गलतियों में से एक हो सकता है. यह फ्रेंचाइज़ी जो अपने लीजेंड्स के प्रति वफादारी के लिए जानी जाती है, उसे किसी ऐसे खिलाड़ी को नहीं छोड़ना चाहिए जिसने इतने वर्षों तक टीम की सेवा की है, कई खिताब जिताए हैं और टीम का प्रतीक बन गया है. जडेजा, जिन्होंने सीएसके की कई टाइटल ट्रायंफ्स में अहम भूमिका निभाई है, ने 2022 सीज़न में टीम की कप्तानी भी की थी. बल्ले और गेंद दोनों से उनके योगदान ने धोनी के नेतृत्व में चेन्नई की पहचान को मजबूत किया है, और उनका जाना एक युग के अंत का संकेत होगा. यह अटकलें ऐसे समय में आई हैं जब चेन्नई एक रिवैम्प की सख्त ज़रूरत में है, क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में उसका प्रदर्शन बेहद खराब रहा. पांच बार की चैंपियन टीम अंक तालिका के सबसे निचले पायदान पर रही क्योंकि उसकी बल्लेबाजी इकाई बार-बार असफल रही. इंजरी और अस्थिरता ने टीम की मुश्किलें और बढ़ा दीं. कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ की चोट ने टीम की लय तोड़ी, जबकि मध्यक्रम के बल्लेबाज दीपक और खुद गायकवाड़ फॉर्म के लिए जूझते रहे.

संजू से चेन्नई को क्या फायदा होगा

संजू सैमसन को शामिल करना निश्चित रूप से चेन्नई की बल्लेबाजी को मजबूत करेगा और टीम को एक भरोसेमंद विकेटकीपिंग विकल्प भी देगा. इससे चेन्नई विदेशी खिलाड़ियों डेवॉन कॉनवे और रचिन रवींद्र से आगे बढ़ सकती है, जिन्होंने निराशाजनक सीज़न बिताया था.

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेज:

फिसड्डी रह गया भारत, पाकिस्तान बना चैंपियन, फाइनल में अफरीदी की टीम ने कुवैत को बुरी तरह रगड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेज में जहां भारत फिसड्डी साबित हुई वहीं पाकिस्तान ने तगड़े प्रदर्शन के दम पर चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया। टूर्नामेंट के इस सीजन में पाकिस्तान ने फाइनल मुकाबले में कुवैत को हरा दिया और खिताब अपने नाम कर लिया। ये छठा मौका था जब पाकिस्तान ने हॉन्गकॉन्ग सिक्सेज का खिताब अपने नाम किया। इस सीजन का फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और कुवैत के बीच खेला गया था जिसमें पाकिस्तान ने पहले बैटिंग करते हुए 6 ओवर में 3 विकेट पर 135 रन का विशाल स्कोर खड़ा कर दिया।

इसके जवाब में कुवैत की टीम 5.1 ओवर में 6 विकेट पर 92 रन की बना पाई और उसे 43 रन से हार मिली। पाकिस्तान के कप्तान अब्बास अफरीदी को प्लेयर ऑफ द मैच के साथ-साथ प्लेयर ऑफ द सीरीज का भी खिताब मिला।

अब्बास अफरीदी ने 11 गेंदों पर खेली 52 रन की पारी

फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान के कप्तान ने धमाकेदार अंदाज में बैटिंग की और उन्होंने 11 गेंदों पर 52 रन की पारी खेली और रिटायर आउट हो गए। अफरीदी ने इस दौरान 7 छक्के और 2 चौके लगाए और उनका स्ट्राइक रेट 472.73 का रहा। ओपनर अब्दुल समद ने भी 13 गेंदों पर 42 रन की पारी खेली जबकि ख्वाजा नफे ने 6 गेंदों पर 22 रन ठोक दिए।

कुवैत के लिए मीत भावसार ने 3 विकेट लिए। कुवैत को जीत के लिए 136 रन का विशाल टारगेट मिला था, लेकिन ये टीम इतने बड़े स्कोर को पार नहीं कर पाई। कुवैत के लिए मीत भवसार ने 12 गेंदों पर 33 रन जबकि अदनान इदरीस ने 8 गेंदों पर 30 रन बनाकर टीम को जीत दिलाने की कोशिश की, लेकिन वो इसमें सफल नहीं हो पाए। पाकिस्तान के सबसे सफल बॉलर माज सदाकत रहे जिन्होंने 3 विकेट झटके।

आपको बता दें कि भारत का इस टूर्नामेंट में बुरा हाल हुआ और इस टीम ने 5 मैचों में से 4 मैच गंवा दिए। हॉन्गकॉन्ग सुपर सिक्सेज में सबसे सफल टीम पाकिस्तान ही है जिसने 6 बार ये खिताब जीता है। इसके बाद इंग्लैंड और साउथ अफ्रीका की टीम 5-5 बार चैंपियन बनी है। श्रीलंका ने 2 बार चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया है जबकि भारत और ऑस्ट्रेलिया ने एक-एक बार ये खिताब जीते हैं।

हॉकी इंडिया ने किया विश्वकप के लिए टीम का एलान, ज्योति सिंह को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तुषार खांडेकर की कोचिंग वाली 20 सदस्यीय टीम में 18 मुख्य खिलाड़ी और दो वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं। हॉकी इंडिया ने चिली के सैंटियागो में 25 नवंबर से 13 दिसंबर तक होने वाले एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप के लिए ज्योति सिंह की अगुवाई में 20 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। पूर्व भारतीय अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तुषार खांडेकर की कोचिंग वाली 20 सदस्यीय टीम में 18 मुख्य खिलाड़ी और दो वैकल्पिक खिलाड़ी शामिल हैं। मुख्य कोच खांडेकर ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, मैं टीम और उसके मौजूदा प्रदर्शन से बहुत खुश हूं। मेरा मुख्य सिद्धांत अनुशासन है और इस टीम को बनाते समय मैंने इसे ध्यान में रखा है। हमने कड़ी मेहनत की है तथा पिछले कुछ महीनो में हमारे खिलाड़ियों ने अपने खेल में काफी सुधार किया है। भारत को पूल सी में रखा गया है और वह अपने अभियान की शुरुआत एक दिसंबर को नामीबिया के खिलाफ करेगा।

रणजी ट्रॉफी:

10 चौके- 5 छक्के 8वें नंबर के बल्लेबाज ने जड़ा तूफानी शतक

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 में 8 नवंबर को चौथे राउंड की शुरुआत हुई. मुकाबलों के पहले दो दिन में अभी तक कई शानदार पारियां देखने को मिल चुकी हैं. कानपुर के ग्रीन पार्क में खेले जा रहे उत्तर प्रदेश- नागालैंड मैच में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला. इस मुकाबले की पहली पारी में उत्तर प्रदेश की ओर 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए एक गेंदबाज ने शतक ठोक दिया. खास बात ये भी रही कि इस खिलाड़ी ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में पहली बार शतक जड़ने का कारनामा भी किया. वह पिछले 7 साल से फर्स्ट क्लास क्रिकेट खेल रहा है.

8वें नंबर के बल्लेबाज की यादगार पारी

उत्तर प्रदेश ने इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, जो सही साबित हुआ. उत्तर प्रदेश ने अपनी पहली पारी 6 विकेट के नुकसान पर 535 रन बनाकर घोषित की. इस दौरान 8वें नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे तेज गेंदबाज शिवम मावी ने एक शानदार पारी खेली. उन्होंने तोबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की और चौकों-छक्कों की बारिश कर दी. उनके अलावा नागालैंड का हर एक गेंदबाज फेल साबित हुआ. शिवम मावी ने इस पारी में कुल 87 गेंदों का सामना किया और 116.09 के स्ट्राइक रेट से 101 रन बनाए. उनकी इस पारी में 10 चौके और 5 छक्के शामिल रहे. इसी के साथ शिवम मावी ने अपने फर्स्ट क्लास करियर में पहली बार शतक जड़ने का कारनामा किया. बता दें, इस मुकाबले से पहले शिवम मावी ने 21 फर्स्ट क्लास मैच खेले थे, लेकिन वह एक बार भी 50 रन का आंकड़ा नहीं छू सके थे. लेकिन इस बार उन्होंने 50 रन का आंकड़ा भी पार किया और शतक भी जड़ा.

इस बल्लेबाजों ने भी ठोके शतक

उत्तर प्रदेश की इस पारी में माधव कौशिक और आर्यन जुयाल के बल्ले से भी शानदार पारियां देखने को मिली. आर्यन जुयाल ने 205 गेंदों पर 140 रन बनाए, जिसमें 18 चौके शामिल रहे. दूसरी ओर, माधव कौशिक 374 गेंदें खेलने के बाद भी आउट नहीं हुए और 185 रन बनाकर नाबाद लौटे. माधव कौशिक की पारी में उनके बल्ले से 11 चौके देखने को मिले.

आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप:

विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप में चमके अनीश भानवाला, रजत पदक नाम किया

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत के निशानेबाज अनीश भानवाला ने रविवार को आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया।

भारत के निशानेबाज अनीश भानवाला ने रविवार को आईएसएसएफ विश्व निशानेबाजी चैंपियनशिप (पिस्टल/राइफल) में शानदार प्रदर्शन करते हुए 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा में रजत पदक जीत लिया। हरियाणा के 23 वर्षीय अनीश ने फाइनल में दो बार शूट-ऑफ में जीत दर्ज की। पहले उन्होंने तीसरे स्थान के लिए जर्मनी के इमैनुएल म्यूलर को हराया और फिर यूक्रेन के मैक्सिम होरोडीनेट्स को मात देकर रजत पदक अपने नाम किया। अनीश ने क्वालिफिकेशन में 585 अंक (291+294) के साथ दूसरे स्थान पर रहते हुए फाइनल के लिए क्वालिफाई किया। उन्होंने पहली बार विश्व चैंपियनशिप के पिस्टल वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में अनीश ने 28 अंक हासिल किए, जबकि फ्रांस के क्लेमेंट बेसागेट ने 31 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता। बेसागेट ने क्वालीफिकेशन में भी 589 अंक के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया। फाइनल की शुरुआती तीन सीरीज के बाद अनीश 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर थे, जबकि चीन के नी झिक्सिन 17 अंकों के साथ पहले स्थान पर थे।

उन्होंने एलिमिनेशन राउंड में भी शानदार प्रदर्शन जारी रखा और लगातार चार-चार अंक जुटाकर शीर्ष खिलाड़ियों की बराबरी बनाए रखी। तीसरे एलिमिनेशन राउंड में थोड़ी चूक के कारण वह पीछे रह गए और कुल 22 अंक पर पहुंचे, जबकि बेसागेट 25 अंकों के साथ पहले स्थान पर पहुंच गए। इसके बावजूद अनीश ने शानदार वापसी करते हुए शूट-ऑफ में जीत हासिल की और रजत पदक पक्का किया। भारत के अन्य निशानेबाजों में आदर्श सिंह ने 575 अंक (285+290) के साथ 22वां स्थान, जबकि समीर ने 571 अंक (286+285) के साथ 35वां स्थान हासिल किया। टीम स्पर्धा में अनीश, आदर्श और समीर की भारतीय टीम ने कुल 1731 अंक जुटाकर पांचवां स्थान प्राप्त किया।

लियोनेल मेसी ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, करियर की 400वीं असिस्ट पूरी की, रिकॉर्ड से बस चार कदम दूर

नई दिल्ली, एजेंसी। लियोनेल मेसी उम्र के इस पड़ाव पर भी मैदान पर वही जुनून, वही क्लास दिखा रहे हैं। चाहे गोल हों या असिस्ट, मेसी अब भी फुटबॉल का दूसरा नाम हैं। अब सभी की निगाहें इस बात पर हैं कि क्या वे फेरेंक पुस्कास का रिकॉर्ड तोड़कर सर्वकालिक असिस्ट किंग बन पाएंगे। फुटबॉल के महानतम खिलाड़ियों में शुमार लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक मुकाम हासिल किया है। इंटर मियामी की ओर से खेलते हुए मेसी ने करियर की 400वीं असिस्ट पूरी कर ली है।

यह उपलब्धि उन्होंने मेजर लीग सॉकर प्लेऑफ के पहले राउंड के तीसरे मुकाबले में हासिल की, जिसमें इंटर मियामी ने नैशविल स्पोर्टिंग क्लब को 4-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस मुकाबले में मेसी ने दो गोल दागे और दो असिस्ट दिए, यानी टीम के सभी चार गोलों में उनकी अहम भूमिका रही। इसी के साथ वे अब फेरेंक पुस्कास के सर्वकालिक असिस्ट रिकॉर्ड से सिर्फ चार कदम दूर रह गए हैं।

मेसी के करियर के आंकड़े

मेसी अब तक क्लब और देश के लिए कुल 1133 मैच खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 894 गोल किए हैं और 400 असिस्ट दी हैं। उनके चिर-प्रतिद्वंद्वी क्रिस्टियानो रोनाल्डो इस लिस्ट में फिलहाल नौवें स्थान पर हैं, जिनके नाम 304 करियर असिस्ट हैं।

प्रमोद भगत ने जापान पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल में जीते तीन स्वर्ण पदक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के पैरा बैडमिंटन स्टार प्रमोद भगत ने पैरा बैडमिंटन इंटरनेशनल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण पदक जीतकर कमाल कर दिया। प्रमोद ने एकल, युगल और मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता।

प्रमोद भगत ने एसएल3 एकल फाइनल में जापान के डाइसुके फुजिहारा के खिलाफ पहला सेट हारने के बावजूद जीत दर्ज करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। 1 घंटे 33 मिनट तक चले कड़े मुकाबले को उन्होंने 17-21, 21-19, 21-10 से जीता। पुरुष युगल के फाइनल में, भगत ने सुकांत कदम के साथ मिलकर हमवतन जगदीश दिल्ली और नवीन शिवकुमार को तीन सेटों के कड़े मुकाबले में 21-17, 18-21, 21-16 से हराया। वहीं मनीषा रामदास के साथ मिश्रित युगल एसएल4-एसयू5 का खिताब हमवतन नितेश कुमार और तुलसीमथी मुरुगेसन को 21-19, 21-19 से हराकर जीता। तीन स्वर्ण जीतने के बाद प्रमोद ने कहा, जापान में तीन स्वर्ण पदक जीतना मायने रखता है। ऐसे देश में प्रदर्शन करना हमेशा खास होता है जो पैरा बैडमिंटन को महत्व देता है। हर मैच ने मुझे मानसिक और शारीरिक रूप से परखा। मुझे इस बात पर गर्व है कि मैंने दबाव को कैसे संभाला। यह जीत

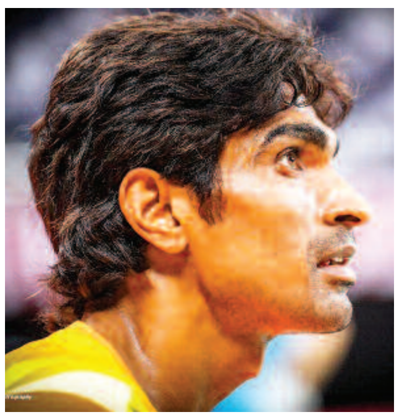

मुझे भविष्य के टूर्नामेंटों के लिए बहुत प्रेरणा देती है। टोक्यो पैरालंपिक चैंपियन कृष्णा नागर ने एकल और मिश्रित युगल दोनों में दो स्वर्ण पदक जीते, जबकि सुकांत कदम ने पुरुष युगल में स्वर्ण और एकल में एक रजत पदक जीता। कृष्णा नागर ने एसएच6 पुरुष एकल और एसएच6 मिश्रित युगल में दो स्वर्ण पदक जीतकर अपनी श्रेष्ठता साबित की। एकल फाइनल में, नागर ने अमेरिका के माइल्स क्रेजेवस्की को हराया।

वहीं नित्या श्री के साथ मिलकर, कृष्णा ने मिश्रित युगल में स्वर्ण पदक जीता। जीत के बाद कृष्णा नागर ने कहा, मैं इस सप्ताह अपने प्रदर्शन से खुश हूं। हर मैच प्रतिस्पर्धी था और मुझे कड़ी मेहनत करनी पड़ी, लेकिन पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करने की मुझे खुशी है और मैं आगे भी बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश करता रहूंगा। सुकांत कदम ने पुरुष युगल में एसएल3-एसएल4 में प्रमोद भगत के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं एसएल4 एकल में हमवतन नवीन शिवकुमार से हारने के बाद उन्हें रजत पदक से संतोष करना पड़ा। नित्या श्री ने महिला एकल एसएच6 में स्वर्ण पदक जीतकर भारत की पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। भारत के लिए अन्य पदक विजेताओं में मंदीप कौर और नीरज एसएल3 वर्ग में क्रमशः रजत और कांस्य, महिला युगल एसएल3-एसयू5 में मानसी जोशी और तुलसीमथि मुरुगेसन ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि नीरज-आरती और संजना कुमारी-शांतिया ने कांस्य पदक जीता।

मानसी जोशी और रूथिक रघुपति ने मिश्रित युगल (एसएल3-एसयू5) में कांस्य पदक जीता। सूर्यकांत ने पुरुषों के एसएल4 में कांस्य पदक जीता। तुलसीमथि, मनीषा रामदास और शांतिया ने महिला एसयू5 वर्ग में क्रमशः स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते। हार्दिक मक्कड़ और रूथिक रघुपति ने पुरुष युगल एसयू5 में रजत पदक जीता।